Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 150 | मंगलवार, 09 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

यूपी के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना को साइंटिफिक तरीके से बढ़ाएगा क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह संग लखनऊ में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र का बटन दबाकर शुभारंभ किया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में किए गए कार्यों के परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

लखनऊ में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की स्थापना से उत्तर प्रदेश को विशेष लाभ मिलेगा। यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। महज 11 फीसदी कृषि योग्य भूमि में यूपी देश का 21 फीसदी खाद्यान्न उत्पादन करता है। समय पर मौसम, बारिश, अतिवृष्टि, अनावृष्टि या ओलावृष्टि की जानकारी नहीं मिलेगी तो हम किसानों के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे। क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना मौसम की और सटीक जानकारी प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह संग बटन दबाकर क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र का शुभारंभ किया। इसे लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र को परिवर्तित कर स्थापित किया गया है। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि हम लोग सीजन में अतिवृष्टि-अनावृष्टि, आकाशीय बिजली आदि के संबंध में मेट्रोलॉजिकल व अन्य विभागों की बैठक में चर्चा करते थे कि समय पर सटीक जानकारी मिलने से सही रणनीति संभव होती है।

आज केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में लखनऊ खुद को मेट्रोलॉजिकल रीजनल सेंटर के रूप में स्थापित कर रहा है। यह यूपी के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना को वैज्ञानिक तरीके से आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सीएम ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के प्रति आभार भी जताया।

12 वर्ष में आए परिवर्तन का दिखता है लाभ

सीएम ने कहा कि आजादी के बाद इस विषय पर अपेक्षित ध्यान न देने का परिणाम था कि अन्नदाता किसान अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाए। प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनधन की हानि को रोकने वाले प्रयास भी अधूरे रहे।

लेकिन, पिछले 12 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में डॉ. जितेंद्र सिंह ने जो अभियान प्रारंभ किया, उसका परिणाम सभी देख रहे हैं। 12 वर्ष पहले बारिश, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, आकाशीय बिजली के खतरों के बारे में जो जानकारी मिलती थी, होता उससे ठीक उल्टा था, लेकिन अब मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त हो रही है।

आपदा से तीन घंटे पहले मोबाइल पर अलर्ट

सीएम ने कहा कि 13 मई को आंधी–तूफान से प्रदेश के कुछ जनपदों में जनधन की काफी हानि हुई थी। बैठक में मैंने पूछा कि अर्ली वार्निंग सिस्टम क्यों काम नहीं कर रहा था। पता चला कि सिस्टम तो काम कर रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन की सक्रियता का अभाव है। फिर रात में पूरे प्रदेश के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मैंने कहा कि जब आपको अलर्ट मिल रहा है तो आपको भी स्थानीय स्तर पर लोगों व संस्थाओं को अलर्ट करना चाहिए। इस बैठक के चौथे–पांचवें दिन भी आपदा आई, लेकिन तीन घंटे पहले सबके मोबाइल पर अलर्ट आना प्रारंभ हो गया।

सीएम ने किया सहारनपुर की घटना का जिक्र

सीएम ने सहारनपुर की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि वहां शिवालिक पहाड़ी की तलहटी में मां शाकम्भरी देवी का मंदिर है। देहरादून व शिवालिक पहाड़ियों में भारी बरसात हुई। यहां बारिश होने से एकत्र होने वाला जल बाढ़ जैसा माहौल पैदा कर देता है। उस समय मंदिर में कीर्तन चल रहा था, काफी श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन मौसम विभाग ने समय से सही जानकारी दी तो सभी को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया, जिससे जनधन की व्यापक हानि रुक गई।

अर्ली वार्निंग सिस्टम का लाभ

सीएम ने कहा कि मीरजापुर, सोनभद्र, चंदौली आदि कई जनपदों में आकाशीय बिजली का खतरा बहुत रहता है। हर वर्ष 100–150 लोगों की मौत होती थी। चार–पांच वर्ष पहले प्रयागराज से पटना के बीच एक ही दिन में 90 मौतें हुई थीं। इसमें यूपी के 30 व बिहार के 60 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, एमडीएमए, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की बैठक में मैंने पूछा कि आखिर इन मौतों को कौन रोकेगा। क्या इसे तकनीक से रोका नहीं जा सकता, तब विभाग ने बताया कि यह संभव है। अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने का परिणाम है कि उक्त जिलों में हर वर्ष होने वाली मौत के आंकड़े घटकर महज दर्जन भर रह गए। लोगों को भी ऐसे मौसम में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए, सतर्क रहना चाहिए।

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा, 1600°C पिघला लोहा गिरने से 5 मजदूरों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा हुआ, जिसमें आठ श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट यूनिट में उस समय हुई जब अत्यधिक तापमान वाले पिघले स्टील से भरा लैडल अचानक फट गया। हादसे के बाद प्लांट में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर भागने लगे।

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के स्टील प्लांट में बड़ा हादसा हुआ है, जिसमें आठ श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट सुविधा में उस समय हुई जब अत्यधिक उच्च तापमान वाले पिघले हुए स्टील से भरा एक लैडल अचानक फट गया।

हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही स्टील प्लांट के अधिकारी और सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट सर्किल इंस्पेक्टर केशव राव के अनुसार, स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पीएम मोदी का 'अंत्योदय' मिशन: 12 साल में 'गरीब कल्याण' से आया जन सशक्तिकरण

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 7 जून को अपनी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दौरान भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, और गरीबों और वंचितों का कल्याण सरकार के प्रयासों का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं, और इन विकासों के मूल में गरीबों और वंचितों का कल्याण रहा है। अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर, हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि विकास के लाभ उन लोगों तक पहुंचें जो दशकों से पीछे छूट गए थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जन धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत सहित प्रमुख पहलों का उद्देश्य लोगों को सम्मान, अवसर और बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। सोमवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर उन्होंने कहा कि यह भी खुशी की बात है कि गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहायता सीधे और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच रही है। इससे भ्रष्टाचार कम हुआ है, कार्यकुशलता बढ़ी है और शासन में विश्वास मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह गरीब कल्याण को आगे बढ़ाने की यात्रा मानव सशक्तिकरण और विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में एक सामूहिक आंदोलन बन गई है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर, भाजपा और एनडीए के नेताओं ने इस अवधि को 'गरीब कल्याण' के लिए समर्पित बताया और #12 ीं१२डात्रंक्षु डं'८ल्ल हैशटैग का इस्तेमाल किया।

सरकारी प्रकाशन में कहा गया कि आज जब भी भारत में सरकार की उपलब्धियों की चर्चा होती है, गरीबों का कल्याण सर्वोपरि रहता है। पिछले 12 वर्षों में, केंद्र सरकार ने गरीबों के कल्याण को अपना प्राथमिक उद्देश्य बनाया है - यह दृष्टिकोण तुष्टीकरण पर आधारित नहीं, बल्कि वास्तविक पूर्ति पर आधारित है। इस प्रकाशन ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए 'सुरक्षा कवच' बताया। इसमें कहा गया है, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में व्यक्त किए गए 'गरीब कल्याण' (गरीबों का कल्याण) के वादों को पूरा करने के लिए बनाई गई कई योजनाओं ने ग्रामीणों और वंचितों के जीवन में एक परिवर्तनकारी बदलाव लाया है।'

टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल सीमा से अरेस्ट, जबरदस्ती वसूली और चुनाव हिंसा के गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता जहांगीर खान को सोमवार को पश्चिम बंगाल पुलिस ने भारत-नेपाल सीमा के पास एक जबरन वसूली मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, खान कई दिनों से गिरफ्तारी से बच रहा था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उसका पता लगाकर उसे हिरासत में ले लिया गया। उसकी गिरफ्तारी कई हफ्तों बाद हुई है, जब उसके और उसके कई साथियों के खिलाफ जबरन वसूली, धमकी, मारपीट और चुनाव संबंधी हिंसा सहित कई आरोपों को लेकर मामले दर्ज किए गए थे। कई अनियमितताओं और शिकायतों के कारण, चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव परिणामों से ठीक दो दिन पहले फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में दोबारा मतदान का आदेश दिया था। बंगाल की 293 सीटों के नतीजे 4 मई को घोषित किए गए, लेकिन केंद्रीय चुनाव निकाय ने 'गंभीर चुनावी अपराधों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन' का हवाला देते हुए फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया। फाल्टा के विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को डराने-धमकाने और ईवीएम में छेड़छाड़ के कथित मामले सामने आए, जिनमें विपक्षी उम्मीदवारों के नाम मिटाना भी शामिल था। अपर्याप्त सीसीटीवी फुटेज के कारण मतदान प्रक्रिया की निष्पक्षता की पुष्टि करना भी असंभव हो गया। जहांगीर, जिसने पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा (जिन्हें 'सिंघम' के नाम से जाना जाता है) को चुनौती देने के लिए 'पुष्पा' उपनाम अपना लिया था, हफ्तों तक फरार रहने के बाद कथित तौर पर भारत से भागने की कोशिश करते समय नेपाल सीमा के पास बंगाल एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

टीएमसी के 20 सांसदों का एनडीए को समर्थन, स्पीकर ओम बिरला को सौंपा पत्र; काकोली घोष ने किया दावा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस में राजनीतिक संकट आज सोमवार को और गहरा गया, जब पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि TMC के लगभग 20 सांसदों ने NDA का समर्थन करने का फैसला किया है।

काकोली घोष ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। मौजूदा समय में TMC के लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 12 सांसद हैं। काकोली घोष दस्तीदार ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि केंद्र में सत्ताधारी गठबंधन का समर्थन करने की इच्छा बताते हुए स्पीकर को पहले ही एक पत्र भेजा जा चुका है। काकोली घोष ने कहा, 'मेरे समेत TMC के लगभग 20 सांसदों ने NDA का समर्थन करने के अपने फैसले के बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है।' काकोली घोष दस्तीदार लोकसभा में TMC की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यह फैसला साथी सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी तृणमूल कांग्रेस के अंदर लगातार अंदरूनी संकट बढ़ता जा रहा है। पार्टी से कई नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है और अब एक साथ 20 सांसदों ने ळटउ का साथ छोड़कर ठऊअ को समर्थन देने का फैसला किया है। घोष दस्तीदार ने कहा कि NDA के साथ जुड़ने के फैसला पर तर्क देते हुए बताया कि यह जनादेश को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'हमने जनता के फैसले को स्वीकार

फ्लाइट में नहीं लेंगे खाना तो किराया भी कम! एअर इंडिया ला सकती है नई टिकट कैटेगरी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। एअर इंडिया घरेलू उड़ानों में ठङ्ग टीं' टिकट कैटेगरी शुरू करने का प्लान कर रही है। इस विकल्प के तहत यात्री बिना भोजन के टिकट बुक कर सकेंगे, जिससे टिकट की कीमत कम होगी। इस योजना का उद्देश्य छोटे रूटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को किफायती विकल्प देना है। एअर इंडिया अपने यात्रियों के लिए एक नया विकल्प लाने पर विचार कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, एयरलाइन घरेलू उड़ानों में नो मील (बिना भोजन) वाली टिकट कैटेगरी शुरू करने का प्लान बना रही है। अगर इसको मंजूरी मिलती है तो यात्री अपने टिकट बुक करने के दौरान यह विकल्प चुन सकते हैं कि उनको अपनी यात्रा के दौरान भोजन लेना है या नहीं। ऐसे में जो यात्री भोजन नहीं लेने वाली कैटेगरी में टिकट बुक करेंगे उनके टिकट की कीमत कम होगी। कई यात्री ऐसे होते हैं जो उड़ान के दौरान भोजन नहीं लेते या बहुत छोटी दूरी की यात्रा करते हैं। उनके लिए भोजन न लेने वाला विकल्प शुरू करके किराए में कमी लाई जा सकती है। जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया यात्रियों की प्रतिक्रिया का आकलन करेगी और उसके आधार पर एअर इंडिया के लोकल रूट्स पर इस योजना को लागू किया जा सकता है।

भारतीय दूतावास ने भारतीयों को तुरंत ईरान छोड़ने की दी सलाह, पश्चिम एशिया की स्थिति पर विदेश मंत्रालय का भी आया बयान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। क्या भारतीय दूतावास की चेतावनी ईरान और अमेरिका के बीच फिर से युद्ध छिड़ने का संकेत है? देखा जाये तो पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते हालात और ईरान, इजराइल तथा अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने इस सवाल को बेहद गंभीर बना दिया है। हम आपको बता दें कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक बार फिर भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा नहीं करने और वहां मौजूद लोगों को उपलब्ध साधनों से जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है। यह सलाह ऐसे समय में आई है जब ईरान और इजराइल के बीच संघर्षविराम टूटने के संकेत मिल रहे हैं और पूरे क्षेत्र में फिर से व्यापक युद्ध की आशंका गहरा रही है। भारतीय दूतावास ने अपनी ताजा चेतावनी में कहा है कि क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारतीय नागरिक अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। दूतावास ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी भारतीय नागरिक ईरान की यात्रा से बचें और जो लोग अभी ईरान में हैं वह उपलब्ध परिवहन साधनों से तुरंत बाहर निकलने का प्रयास करें। यह सलाह छात्रों, व्यापारियों, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों सहित सभी भारतीयों पर लागू है। हम आपको बता दें कि मौजूदा ईरान अमेरिका इजराइल तनाव के दौरान यह भारत की आठवीं आधिकारिक चेतावनी है। लगभग सात हजार पांच सौ भारतीय अभी भी ईरान में मौजूद बताए जा रहे हैं। इससे पहले भारत ने ऑर्मेनिया और अजरबैजान की जमीनी सीमाओं के जरिये हजारों भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की थी। इसके अलावा, भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है कि भारत पश्चिम एशिया में हुए नए हमलों पर गहरा खेद व्यक्त करता है। ये घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अत्यंत चिंता का विषय हैं। बयान में कहा गया है कि यह संघर्ष अब 100 दिनों से अधिक समय से जारी है और इससे भारी जन पीड़ा हुई है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है। भारत ने अपने बयान में कहा है कि हम सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे तनाव को तुरंत कम करें, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और राजनयिक समाधान के लिए चल रही बातचीत को पूरा करें ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल हो सके। हम आपको बता दें कि हालात तब और ज्यादा गंभीर हो गए जब ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने दावा किया कि उसने उत्तरी इजराइल में स्थित रामत दाविद वायुसेना अड्डे, नेवातिम और तेल नोफ सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान ने इसे लेबनान और बेरूत में इजराइली कार्रवाइयों के जवाब में की गई जवाबी कार्रवाई बताया। इसके बाद इजराइल ने पश्चिमी और मध्य ईरान में कई सैन्य ठिकानों तथा माहशहर स्थित पेट्रोकेमिकल परिसर पर हवाई हमले किए। तेहरान, कराज, तबरीज और इस्फहान में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं जबकि ईरान ने तेहरान के इमाम खोमैनी और मेहराबाद हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। देखा जाये तो इस संघर्ष ने अप्रैल में हुए संघर्षविराम की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अप्रैल में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही भारतीय दूतावास ने भारतीयों को तेजी से ईरान छोड़ने की सलाह दी थी। उस समय माना जा रहा था कि संघर्षविराम केवल अस्थायी राहत है और हालात दोबारा बिगड़ सकते हैं। अब वही आशंका सच होती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के मिसाइल हमले शांति वार्ता को नुकसान पहुंचाएंगे और तेहरान को फिर से बातचीत की मेज पर लौटना चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह इजराइल को जवाबी कार्रवाई से रोकने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि एक और सैन्य टकराव महीनों की बातचीत को बर्बाद कर सकता है।

संपादक की कलम से

विकास का इंजन, पर असुरक्षित मध्यम वर्ग

ललित शर्मा
संपादक

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, विशाल युवा आबादी, डिजिटल क्रांति और बढ़ते उपभोक्ता बाजार की चर्चा लगातार हो रही है। इस विकास यात्रा के केंद्र में यदि कोई सामाजिक-आर्थिक वर्ग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तो वह है भारत का मध्यम वर्ग। यही वर्ग देश में उपभोग बढ़ाता है, बचत करता है, निवेश करता है, कर देता है, शिक्षा और कौशल में निवेश करता है तथा आर्थिक गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान करता है। किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग को विकास का इंजन माना जाता है क्योंकि उसकी आय और आकांक्षाएं उत्पादन तथा बाजार दोनों को संचालित करती हैं। भारत में भी मध्यम वर्ग को भविष्य के आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक मजबूती का आधार माना जाता है। इसके बावजूद एक विडंबना यह है कि भारतीय मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा स्वयं आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं है। वह गरीबी से ऊपर तो उठ चुका है, लेकिन स्थायी समृद्धि और सुरक्षा तक नहीं पहुंच पाया है। यही स्थिति अर्थशास्त्र में 'मिसिंग मिडिल' अर्थात 'लुप्त या कमजोर मध्य वर्ग' की परिघटना के रूप में पहचानी जाती है।' मिसिंग मिडिल' का आशय उस स्थिति से है जिसमें समाज में गरीबों और अमीरों के बीच स्थित मध्यम वर्ग पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं होता या उसकी आर्थिक स्थिति इतनी स्थिर नहीं होती कि वह किसी संकट का सामना कर सके। भारत में लाखों परिवार ऐसे हैं जो आय के आधार पर मध्यम वर्ग में गिने जाते हैं, लेकिन उनके पास पर्याप्त बचत, सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच या दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता नहीं होती। परिणामस्वरूप वे किसी बीमारी, नौकरी जाने, व्यवसाय में नुकसान या आर्थिक मंदी जैसी परिस्थितियों में तेजी से आर्थिक संकट में फंस सकते हैं। कोविड-19 महामारी ने इस वास्तविकता को बहुत स्पष्ट रूप से सामने ला दिया था। महामारी के दौरान लाखों ऐसे परिवार, जो स्वयं को मध्यम वर्ग का हिस्सा मानते थे, अचानक आय के स्रोत समाप्त होने, चिकित्सा खर्च बढ़ने और रोजगार अस्थिर होने के कारण आर्थिक कठिनाइयों में आ गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत का मध्यम वर्ग संख्या में बड़ा होने के बावजूद सुरक्षा के मामले में कमजोर है। भारतीय मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी शक्ति उसकी उपभोग क्षमता है। देश में घर, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं की मांग का बड़ा हिस्सा इसी वर्ग से आता है। जब मध्यम वर्ग की आय बढ़ती है तो वह अधिक वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करता है, जिससे उद्योगों का विस्तार होता है, निवेश बढ़ता है और नए रोजगार सृजित होते हैं। यही कारण है कि विकसित देशों की आर्थिक सफलता के पीछे मजबूत मध्यम वर्ग को एक प्रमुख कारक माना जाता है। भारत भी यदि विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है तो उसे अपने मध्यम वर्ग को अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाना होगा। लेकिन वर्तमान में यह वर्ग कई प्रकार की चुनौतियों से घिरा हुआ है। सबसे पहली चुनौती रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता से जुड़ी है। भारत में रोजगार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी असंगठित क्षेत्र में है। यहां कार्यरत लोगों को नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते।

संस्कृति पर आक्रमण: पहचान मिटाने की वैश्विक साजिश

एन0के0शर्मा
लेखक

जब किसी राष्ट्र को पराजित करना कठिन हो जाता है, जब उसकी सीमाएँ अभेद्य प्रतीत होने लगती हैं, जब उसकी सेना, उसकी अर्थव्यवस्था और उसकी राजनीतिक संरचनाएँ प्रत्यक्ष आक्रमणों को यह सहन करने में सक्षम हो जाती हैं, तब इतिहास गवाही देता है कि आक्रमणकारी अपनी रणनीति बदल देता है। वह सीमाओं पर नहीं, स्मृतियों पर हमला करता है। वह किलों को नहीं, चेतना को निशाना बनाता है। वह भूमि नहीं छीनता, बल्कि उस भूमि से जुड़े लोगों की पहचान, परंपराएँ, भाषाएँ, आस्थाएँ और सांस्कृतिक आत्मा को धीरे-धीरे क्षीण करने का प्रयास करता है। सभ्यताओं के उत्थान और पतन के लंबे इतिहास में यह सबसे पुराना और सबसे प्रभावी हथियार रहा है—संस्कृति पर आक्रमण।

आज जब विश्व अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति, वैश्विक संपर्क और सूचना क्रांति के युग में प्रवेश कर चुका है, तब यह मान लेना कि सांस्कृतिक आक्रमण केवल तलवारों और उपनिवेशों के दौर की कहानी है, एक गंभीर भूल होगी। आधुनिक युग में यह आक्रमण और अधिक परिष्कृत, अधिक संगठित और कहीं अधिक अदृश्य हो चुका है। अब किसी संस्कृति को नष्ट करने के लिए उसके मंदिरों, पुस्तकालयों या स्मारकों को जलाना आवश्यक नहीं रह गया है। अब उसकी भाषा को उपहास का विषय बना देना, उसके इतिहास को संदिग्ध घोषित कर देना, उसकी परंपराओं को पिछड़ेपन का प्रतीक बता देना और उसकी नई पीढ़ी को अपनी ही जड़ों से विमुख कर देना पर्याप्त समझा जाता है। विश्व के अनेक देशों में आज एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। लोग तकनीकी रूप से पहले से अधिक जुड़े हुए हैं, लेकिन अपनी सांस्कृतिक जड़ों से पहले से अधिक कटे हुए हैं। आधुनिकता की चमक के बीच अनेक समाज अपनी भाषाएँ खो रहे हैं, अपने लोकगीत भूल रहे हैं, अपने पारंपरिक ज्ञान को अप्रासंगिक मानने लगे हैं और अपनी ऐतिहासिक स्मृतियों से दूर होते जा रहे हैं। यह केवल सामाजिक परिवर्तन नहीं है; यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें पहचान स्वयं प्रश्नों के घेरे में खड़ी कर दी जाती है। संस्कृति केवल नृत्य, संगीत, वेशभूषा या त्योहारों का संग्रह नहीं होती। संस्कृति वह अदृश्य सूत्र है जो एक समाज को उसके अतीत, वर्तमान और भविष्य से जोड़ता है। यह उसकी सामूहिक चेतना होती है। जब किसी समुदाय की संस्कृति कमजोर पड़ती है, तो उसकी आत्मविश्वास की नींव भी हिलने लगती है। वह अपने बारे में दूसरों द्वारा लिखी गई कहानियों पर विश्वास करने लगता है। वह अपनी उपलब्धियों को भूल जाता है और अपनी कमियों को ही अपनी पहचान मान बैठता है। बीते दशकों में वैश्वीकरण ने विश्व को आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से निकट अवश्य लाया है, लेकिन इसके साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। एकरूपता की संस्कृति धीरे-धीरे विविधता पर हावी होती दिखाई देती है। दुनिया के अनेक शहरों में जीवन शैली, उपभोग की आदतें, मनोरंजन के साधन और सामाजिक व्यवहार इतने समान होते जा रहे हैं कि स्थानीय विशिष्टताएँ धुंधली पड़ने लगी हैं।

यह परिवर्तन स्वाभाविक भी हो सकता है और कई मामलों में लाभकारी भी, किंतु जब यह प्रक्रिया स्थानीय संस्कृतियों के अस्तित्व को ही संकट में डालने लगे, तब चिंता स्वाभाविक हो जाती है। भाषा इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है। किसी भी संस्कृति की आत्मा उसकी भाषा में बसती है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह विचारों, भावनाओं, अनुभवों और ऐतिहासिक स्मृतियों की वाहक होती है। जब कोई भाषा कमजोर होती है, तो उसके साथ हजारों वर्षों का ज्ञान, साहित्य और लोकबुद्धि भी संकट में पड़ जाती है। आज विश्व में सैकड़ों भाषाएँ विलुप्ति के कगार पर हैं। हर बार जब कोई भाषा मरती है, तब केवल शब्द नहीं मरते; एक पूरी दुनिया समाप्त हो जाती है। इतिहास को लेकर चल रहा संघर्ष भी उतना ही गंभीर है। इतिहास केवल अतीत का विवरण नहीं होता; वह वर्तमान की दिशा और भविष्य की आकांक्षाओं को प्रभावित करता है। इसलिए इतिहास पर नियंत्रण हमेशा शक्ति का साधन रहा है। अनेक देशों में इतिहास की व्याख्या को लेकर तीखे विवाद दिखाई देते हैं। कौन नायक था, कौन खलनायक था, किसने निर्माण किया और किसने विनाश किया—ये प्रश्न केवल शैक्षणिक बहस नहीं हैं। ये समाज की सामूहिक स्मृति और पहचान को आकार देने वाले प्रश्न हैं। डिजिटल युग ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब विचारों का प्रसार पहले से कहीं अधिक तेज है। सोशल मीडिया, मनोरंजन उद्योग, ऑनलाइन मंच और एल्गोरिदम आधारित सूचना प्रणालियाँ जनमानस की धारणाओं को गहराई से प्रभावित करती हैं। सकारात्मक पक्ष यह है कि स्थानीय संस्कृतियों को वैश्विक मंच मिल सकता है; नकारात्मक पक्ष यह है कि भ्रामक सूचनाएँ, रूढ़ धारणाएँ और सतही प्रस्तुतियाँ भी अत्यधिक प्रभावशाली बन सकती हैं। कुछ मिनटों के वीडियो और कुछ सेकंड की क्लिप कभी-कभी उन जटिल सांस्कृतिक वास्तविकताओं को विकृत कर देती हैं जिन्हें समझने में वर्षों लग सकते हैं। संस्कृति पर आक्रमण का सबसे खतरनाक रूप तब सामने आता है जब समाज स्वयं अपनी विरासत को बोझ समझने लगता है। जब युवा पीढ़ी अपनी भाषा बोलने में संकोच करने लगे, जब लोक परंपराएँ उपहास का विषय बन जाएँ, जब इतिहास केवल शर्म का स्रोत बना दिया जाए और जब बाहरी स्वीकृति ही आत्मसम्मान का आधार बन जाए, तब सांस्कृतिक क्षरण भीतर से शुरू हो जाता है। बाहरी शक्तियाँ तभी सफल होती हैं जब आंतरिक आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है। हालाँकि इस पूरे विमर्श को किसी एक वैश्विक षड्यंत्र के रूप में देखना भी उचित नहीं होगा। सांस्कृतिक परिवर्तन अनेक आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक कारणों से भी होते हैं। समाज लगातार बदलते हैं, नई चीजें अपनाते हैं और पुरानी परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करते हैं। चुनौती परिवर्तन को रोकने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि परिवर्तन के बीच सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक स्मृति और स्थानीय पहचान सुरक्षित रह सकें। आज आवश्यकता इस बात की है कि संस्कृतियों को संग्रहालयों की वस्तु न बनाया जाए, बल्कि उन्हें जीवंत रखा जाए। भाषाओं को केवल भावनात्मक मुद्दा नहीं, बल्कि ज्ञान और सृजन की शक्ति माना जाए। इतिहास का अध्ययन पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर किया जाए। परंपराओं की आलोचनात्मक समीक्षा भी हो, लेकिन उन्हें समझे बिना खारिज न किया जाए। आधुनिकता और परंपरा के बीच संघर्ष का नहीं, संवाद का वातावरण बनाया जाए। विश्व की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित है। यदि सभी समाज एक जैसी सोच, एक जैसी भाषा, एक जैसी जीवन शैली और एक जैसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में ढल जाएँ, तो मानव सभ्यता का सबसे बड़ा वैभव समाप्त हो जाएगा। सांस्कृतिक विविधता केवल विरासत नहीं, बल्कि मानवता की रचनात्मक ऊर्जा का स्रोत है। इसे बचाना किसी एक देश, धर्म या समुदाय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता का साझा दायित्व है। क्योंकि जब किसी संस्कृति की पहचान मिटती है, तो केवल एक परंपरा नहीं खोती; मानवता अपनी सामूहिक स्मृति का एक हिस्सा खो देती है। और स्मृति खो देने वाली सभ्यताएँ अक्सर भौतिक रूप से जीवित रहते हुए भी आत्मिक रूप से पराजित हो जाती हैं। इतिहास के पन्नों में ऐसे अनेक उदाहरण बिखरे पड़े हैं, जो यह चेतावनी देते हैं कि संस्कृति पर आक्रमण हमेशा दिखाई नहीं देता, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए पहचान की रक्षा केवल अतीत को बचाने का प्रयास नहीं है; यह भविष्य को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है।

विवाह समारोहों में बढ़ता दिखावा और भव्यता की दौड़: संस्कार से उपभोग तक का चिंताजनक सफर

किशन भावनानीं
लेखक

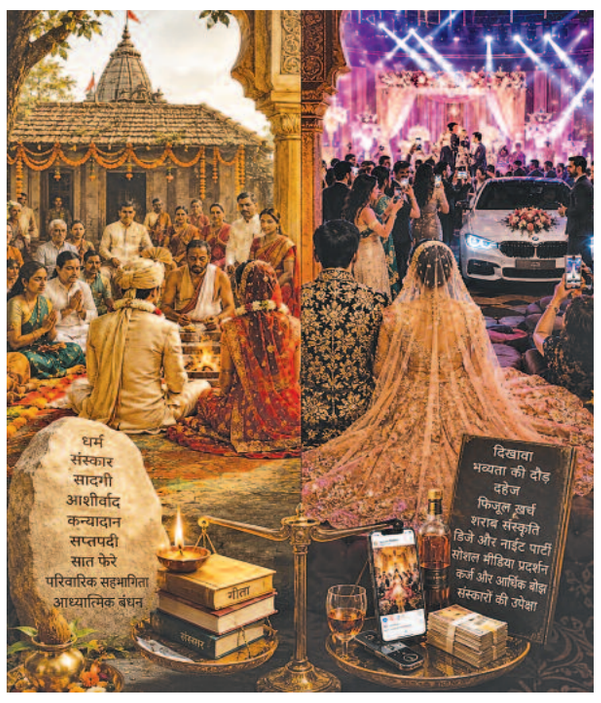

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में शादी केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि एक पवित्र संस्कार मानी जाती है। वेदों से लेकर पुराणों तक, गृहस्थ जीवन को धर्म का महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि दो परिवारों और दो कुलों का मिलन माना जाता है। इसीलिए इसे सात फेरे, सप्तपदी मंत्र, कन्यादान, होम, आशीर्वाद और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न कराया जाता है। किंतु आज बदलते समय में विवाह के स्वरूप में गहरा बदलाव दिखाई दे रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शादी समारोह,जो कभी अध्यात्म, त्याग, संस्कार और सामाजिक सामंजस्य का प्रतीक था,अब धीरे-धीरे दिखावे, पैसे की होड़, दहेज, शराब और भव्यता की दौड़ में सिमटता जा रहा है। यह बदलाव न केवल भारतीय संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सामने एक विकृत परंपरा स्थापित कर रहा है। इस विषय का विस्तार से डिस्कशन व विश्लेषण हम 5 प्वाइंटों के आधार पर करेंगे।

साथियों बात अगर हम विवाह एक पवित्र संस्कार:आध्यात्मिक और सामाजिक आयाम की करें तो,भारतीय संस्कृति में विवाह को सोलह संस्कारों में एक प्रमुख संस्कार माना गया है। यह केवल पति-पत्नी के शारीरिक या भावनात्मक संबंध का बंधन नहीं है, बल्कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की साधना का आधार है। विवाह का उद्देश्य केवल जीवनसाथी चुनना नहीं,बल्कि समाज में संतुलित, संस्कारित और धार्मिक जीवन की स्थापना करना है। सात फेरे, जिन्हें हर दंपति विवाह के समय अग्नि के साक्षी में लेता है,केवल शब्द नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए आजीवन वचन हैं।आज की पीढ़ी इन मंत्रों और वचनों की गहराई को समझे बिना केवल विवाह को 'सोशल इवेंट' की तरह देखने लगी है। होटल, रिजॉर्ट, फार्महाउस और डेस्टिनेशन वेडिंग ने विवाह को पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारी के बजाय लक्जरी इवेंट में बदल दिया है। यह बदलाव भारतीय समाज की मूल आत्मा के सटीक विपरीत है। साथियों बात अगर हम आधुनिकता का दंश और बदलती शादी की परंपरा व दहेज और उपभोक्तावादी संस्कृति की करें तो आधुनिकता अपने साथ तकनीकी विकास,वैश्विक संपर्क और नए अवसर लाती है, परंतु इसका अंधानुकरण विवाह जैसे संस्कारों को विकृत कर रहा है। आज शादियाँ अधिकतर स्टेटस सिंबल बन गई हैं।(अ) लाखों- करोड़ों रुपए खर्च कर 'शाही शादी' दिखाना अब फैशन बन चुका है। (ब) शादी समारोहों में शराब, डीजे, नाइट पार्टी और वेस्टर्न कल्चर की नकल आम हो गई है। (क) रिश्तेदारों और मेहमानों का सम्मान अब मेन्यू की विविधता और सजावट की भव्यता से आंका जाने लगा है, न कि आत्मीयता और आदर से।इस भौतिकवादी दृष्टिकोण ने विवाह की पवित्रता को गहरे तक प्रभावित किया है। जहां कभी विवाह का अर्थ 'दो आत्माओं का आध्यात्मिक बंधन' था, वहीं आज विवाह का अर्थ 'सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें और वीडियो' बन गया है।दहेज और उपभोक्तावादी संस्कृति-विवाह का कुरूप चेहरा:- दहेज प्रथा भारतीय समाज की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है। स्वतंत्रता के बाद से लगातार प्रयासों के बावजूद यह कुरीति खत्म नहीं हुई। आधुनिकता और भौतिकतावाद ने इसे और मजबूत कर दिया है। आज शादी समारोह में गाड़ियों की डिमांड, महंगे गिफ्ट्स, कैश और प्रॉपर्टी की अपेक्षा खुलेआम की जाती है।दहेज न केवल विवाह के पवित्र बंधन को कलंकित करता है बल्कि यह महिलाओं के लिए अपमानजनक और अमानवीय स्थिति पैदा करता है। हजारों बेटियाँ आज भी दहेज के बोझ के कारण या तो शादी नहीं कर पातीं या शादी के बाद उत्पीड़न का शिकार होती हैं। साथियों बात अगर हम विवाह और शराब संस्कृति, के तेजी से बढ़ते प्रचलन की करें तो, भारतीय समाज में विवाह हमेशा से संयम, मयार्दा और उत्सव का संगम रहा है। परंतु पिछले दो दशकों में शादियों में शराब की संस्कृति तेजी से फैली है। यह न केवल समारोह की गरिमा को कम करता है बल्कि कई बार हिंसा, विवाद और दुर्घटनाओं का कारण भी बनता है।आज समाज के सामने यह प्रश्न है कि क्या विवाह का उत्सव बिना शराब, नाच-गाने और दिखावे के संभव नहीं? विवाह जैसे पवित्र अवसर पर यदि आत्मसंयम और मयार्दा खो जाए तो वह केवल मनोरंजन बनकर रह जाता है। साथियों बात अगर हम विवाह में बढ़ता दिखावापन और समाज पर असर की करें तो,'शादी में कितना खर्च हुआ?' यह प्रश्न आज समाज का सबसे बड़ा मूल्यांकन बन गया है। किसी परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा अब शादी की भव्यता से तय होती है। परिणामस्वरूप गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज, उधार और आर्थिक बोझ तले दब जाते हैं। (अ) शादियों में करोड़ों का खर्च करना 'प्रेस्टीज इश्यू' बन चुका है। (ब) आम परिवार इस दौड़ में शामिल होने के लिए अपनी जिंदगी भर की कमाई खर्च कर देते हैं। (क) और छोटे कस्बों में भी यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जिससे आर्थिक असमानता और बढ़ रही है।यह प्रवृत्ति भारतीय समाज के लिए खतरनाक है क्योंकि इससे सामाजिक संतुलन और समानता की अवधारणा को गहरी चोट पहुंचती है। साथियों बात अगर हम घटते पारंपरिक संस्कार और अनुष्ठान की करें तो पहले विवाह घर-आंगन में, मंदिरों या पंचायतों में पूरे परिवार और समाज की सहभागिता से होते थे। बारात में ढोल-नगाड़े, लोकगीत,नृत्य, भजन- कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान का विशेष महत्व होता था। परंतु अब इनकी जगह डीजे, फिल्मी गाने और कोरियोग्राफ्ड डांस ने ले ली है।कन्यादान, होम, सप्तपदी, वरमाला जैसे संस्कार केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।कई बार डेस्टिनेशन वेडिंग्स में पुरोहित और मंत्रोच्चार तक 'फास्ट फॉरवर्ड' कर दिए जाते हैं। यह बदलाव कहीं न कहीं विवाह को केवल मनोरंजन का साधन बना रहा है। साथियों बात अगर हम समाज को दिशा दिखाने की आवश्यकता व सादगीपूर्ण विवाह की करें तो, आज समय की मांग है कि समाज इस बदलते परिदृश्य पर गंभीर चिंतन करे। विवाह को पुनः उसके मूल स्वरूप में लाने की आवश्यकता है। इसके लिए(अ)धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थाओं को विवाह संस्कारों की पवित्रता का प्रचार करना चाहिए। (ब) परिवारों को बच्चों को बचपन से ही विवाह संस्कारों की महत्ता सिखानी चाहिए।(क) सरकार को दहेज और अनावश्यक खर्च पर रोक लगाने वाले कानूनों को कड़ाई से लागू करना चाहिए। (ड) समाज में 'सादगीपूर्ण विवाह' को प्रोत्साहित करने वाले अभियान चलाने चाहिए।सादगीपूर्ण विवाह-भविष्य की राह आज कई राज्यों में 'सामूहिक विवाह' और 'सादगीपूर्ण विवाह' की परंपरा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमें खर्च सीमित रखा जाता है और धार्मिक अनुष्ठानों को महत्व दिया जाता है। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होता है, बल्कि विवाह की सामाजिक और आध्यात्मिक महत्ता भी बनी रहती है।सादगीपूर्ण विवाह को समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाना होगा। जब तक दिखावे और भव्यता को 'प्रेस्टीज' माना जाएगा, तब तक यह प्रवृत्ति नहीं रुकेगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विवाह भारतीय संस्कृति का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण संस्कार है। इसे आधुनिकता और दिखावे की भेंट चढ़ाना हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। समाज को यह समझना होगा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का पवित्र मिलन है, जिसका उद्देश्य धर्म, परंपरा और संस्कारों को आगे बढ़ाना है।यदि हम विवाह को पुनः उसके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप में स्थापित कर पाते हैं, तभी हम आधुनिकता के दंश से बचकर आने वाली पीढ़ियों को एक सशक्त और संस्कारित समाज दे पाएंगे।

गुमनाम

उदय किशोर साह

कविता

लुप्त हो गई गाँवों की बैलगाड़ी
लुप्त हो गई घोड़े की सवारी
लुप्त हो गई भारतीय . परिधान
कितना बदल गया अपना जहान

लुप्त हो गई दादी की कहानी
लुप्त हो गई खानदानी की रवानी
लुप्त हो गई विचारों का सम्मान
कितना बदल गया अपना जहान

लुप्त हो गई संस्कार की मेहरबानी
लुप्त हो गई मयार्दा की जवानी
लुप्त हो गई शर्म हया की। श्रृंगार
लुप्त हो गई विद्वजनों की विचार

लुप्त हो गई बुजुर्गों की मनमानी
लुप्त हो गई माता पिता की जिन्दगानी
लुप्त हो गई नैतिकता की यहाँ ज्ञान
लुप्त हो गई अब गाँवों की पहचान

लुप्त हो गई जहाँ आँखों की। पानी
लुप्त हो गई प्रेम की अब दीवानी
लुप्त हो गई गीता / रामायण की सार
लुप्त हो गई जीवन की सब व्यवहार

बचपन की गर्मियों की छुट्टियाँ: गाँव, जंगल और यादों की मिठास

डॉ विजय गर्ग
लेखक

गर्मियों की छुट्टियाँ किसी खूबसूरत सपने की तरह आती थीं। ऐसा लगता था मानो किसी जेल से रिहाई मिल गई हो। कहने को दो महीने थे, पर पता नहीं कब निकल जाते थे। छुट्टियाँ शुरू होते ही अगले दिन सारे गांव के बच्चे अपनी-अपनी गाय-बकरी लेकर जंगल चराने जाते। साथ में छुट्टियों के काम वाली कॉपी-किताबें भी ले जाते। सारा काम पहले चार-पांच दिन में खत्म करने की होड़ लगी होती। शुरू-शुरू में तो सुंदर-सुंदर लिखाई के साथ सुलेख लिखना और बाकी काम बहुत मन से करते, मगर उसके बाद फटाफट निपटाने में लग जाते। जंगल में पीपल का एक घना पेड़ था, जिसकी छाया में बैठकर हम स्कूल का काम निपटाते। उसकी ठंडी हवाओं की थपकियाँ किसी नींद की दवा से कम नहीं थीं – कब आँख लग जाती, पता ही नहीं चलता था। जंगल चील के पेड़ों से भरा हुआ था। उन पर चढ़कर हम पूरा दिन चोर-सिपाही खेलते। एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर बंदरों की तरह कूदते रहते। घर वाले बहुत समझाते थे कि गिर जाओगे, पर कौन सुनता था! जब थक जाते, तो पांच गिट्टियों का खेल, हाल कुंचाल, गिल्ली-डंडा, कंचे, कुश्तियां, कबड्डी – न जाने कितने ही खेल खेलते थे। पहाड़ी के नीचे एक नदी थी, जो गहरी तो नहीं थी, मगर कहीं-कहीं किनारे पर पानी का तालाब बना रहता था।

उसमें नहाकर शरीर ही नहीं, आत्मा भी तृप्त हो जाती थी। पहाड़ी से एक कुदरती पानी का चश्मा निकलता था, जिसके नीचे खुदाई करके हमने एक खड्डा बना दिया था, जिसमें पानी जमा हो सके। वो पानी इतना स्वच्छ, ठंडा और साफ था कि लौटते हुए घर के लिए भी बोतल भर लाते थे। वो चश्मा हमारे लिए किसी फ्रिज से कम नहीं था। जंगल में कुछ पत्थर रखकर हमने एक मंदिर बनाया था, जिसमें हमारी आस्था दृढ़ थी। गाय-बकरी की सारी जिम्मेदारी उस मंदिर के हवाले कर देते। फिर हम सब बच्चे अपने-अपने घर से कोई चीनी, कोई सूजी, कोई घी ले आते और मंदिर के पास लकड़ियाँ इकट्ठा करके हलवा बनाते। पहले मंदिर में चढ़ाते, फिर खुद भी खाते। कभी-कभी घर से चावल लाकर बकरियों का दूध निकालकर खीर भी बनती थी। हर दिन किसी पिकनिक की तरह लगता था। लोगों के खेतों से खीरे तोड़ लाना, मक्की लाना और जंगल में पकाकर खाना तो आम बात थी। कभी-कभी पकड़े भी जाते, तो खूब गालियाँ सुननी पड़ती, पर उनका कोई खास असर नहीं होता था। जंगल में कई तरह के आम के पेड़ थे, जिनके नाम स्वाद के अनुसार रखे गए थे – सिंदूरी आम (जिसका रंग सिंदूर की तरह), लड्डू आम (जो गोल-गोल और बेहद मीठा), गधा आम (बहुत बड़ा, पर खट्टा)। जामुन के पेड़ों से जामुन तोड़ना, जंगली किन्नू खाना, चील के फल को भूनकर चिलगोजे निकालना – सबकुछ किसी त्यौहार जैसा था। जंगल में आलू जैसे फल होते थे, जिनकी छोटी सी कोंपल मिट्टी से बाहर झाँकती थी। उसे देखकर हम खुदाई करते और वो फल निकालते। गरने के पौधे काले, पके हुए गरनों से भरे रहते थे, जिन्हें पलाश के पत्तों से बनी डूना (कटोरी) में भरकर जी-भर खाते थे। खाने के लिए घरवाले गेहूं की रोटी और अचार दे देते थे – 'भूख लगे तो खा लेना।' वो सूखी रोटी और अचार इतना स्वाद लगता था कि आज की कोई भी चीज उसके सामने फीकी लगती है। बारिश से बचने के लिए जंगल में चार लकड़ियाँ गाड़कर उनके ऊपर चील की सूखी पत्तियाँ डाल देते थे। कढ़ी पत्तों की लकड़ियों से चारदीवारी बनाकर अपनी-अपनी झोंपड़ी सी बना ली थी। जब भी बारिश होती, हम उसी में छिप जाते। वो बचपन – शरारतों से भरा, मस्ती में डूबा हुआ, बेफिक्री का आलम – अब कभी वापस नहीं आएगा। न जिंदगी की चिंता थी, न कमाने की फिक्र। अब वो सिर्फ यादों और ख्यालों में ज़िंदा रहेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

हापुड़ में करोड़ों लूट का खुलासा,मुठभेड़ में दो बदमाश घायल सहित पांच गिरफ्तार

आईफोन 16 प्रो,24 लाख कैश,जेवरात,तमंचे और बाइक सहित बरामद, निलंबित सिपाही निकला मास्टरमाइंड

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के शहर के चर्चित रियल स्टेट कारोबारी और सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों की सनसनीखेज लूटकांड का आखिरकार पुलिस ने फिल्मी अंदाज में खुलासा कर दिया।रविवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई ताबड़तोड़ मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि पुलिस ने कुल पांच बदमाशों को धर दबोचा। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है।

पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से 24 लाख रुपए नकद, 19 सोने के जेवर, चांदी के 10 सिक्के, 5 मोबाइल फोन, लूट में इस्तेमाल दो बाइक, 4 तमंचे, 4 खोखा कारतूस और 6 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस के अनुसार अभी भी करीब 14 लाख रुपए की बरामदगी बाकी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कारोबारी के घर में हुई इस बड़ी वारदात का राज घर में काम करने वालों से जुड़ा निकला। पुलिस जांच में सामने आया कि घर पर चिनाई का काम कर रहे राजमिस्त्री सतपाल के बेटे रिंकू उर्फ रोहित ने ही बदमाशों को घर की पूरी जानकारी दी थी। इतना ही नहीं, इस लूटकांड में निलंबित सिपाही विक्की गौतम की भी अहम भूमिका सामने आई है।

एसपी कुँवर ज्ञानेंजय सिंह ने बताया कि थाना हापुड़ देहात पुलिस और स्वाट टीम रविवार देर रात थाना प्रभारी पारस मलिक के नेतृत्व में सुल्तानपुर कट के पास चेकिंग कर रही थी। तभी दो बाइकों पर सवार युवकों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए और पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में साहिबे आलम, रोहित सागर, गुड्डू आलम, टिंकू और विक्की गौतम शामिल हैं।

जबकि श्याम और मोहित नामक दो बदमाश अभी फरार हैं, जिन पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। गौरतलब है कि 1 जून की मध्य रात्रि को तमंचाधारी बदमाश नरेंद्र अग्रवाल के घर में घुस आए थे और कारोबारी,उनकी पत्नी सुशीला,पौत्र सिद्धांत तथा चौकीदार को बंधक बनाकर सवा किलो सोने के जेवर और लाखों की नकदी लूटकर फरार हो गए थे।

इस घटना ने पूरे हापुड़ में दहशत फैला दी थी।अब पुलिस खुलासे के बाद अपनी पीठ थपथपा रही है।एसपी ने पूरी पुलिस टीम को 25 हजार रुपए का ईनाम भी दिया है।

अशोक ढींगरा को सौंपी गई राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के हापुड़ जिले की कमान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वी.एम. सिंह के निर्देश पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह अमरोहा द्वारा हापुड़ जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सिंभावली स्थित हर्ष गार्डन में किया गया।

बैठक की अध्यक्षता बछलौता निवासी निरंजन शास्त्री ने की।बैठक में संगठन के मेरठ मंडल अध्यक्ष चौधरी रामवीर सिंह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश महासचिव चौधरी वीरपाल सिंह, प्रवक्ता मुकुल त्यागी, मुरादाबाद मंडल प्रभारी चौधरी राजवीर सिंह, युवा जिला अध्यक्ष अंकित चौधरी, सरदार बलविंदर सिंह, सरदार अमरीक सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।जिले की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए 12 सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया, जिसके संचालन की जिम्मेदारी निरंजन शास्त्री को सौंपी गई।

समिति ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से अशोक कुमार ढींगरा (खुडलिया) को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का हापुड़ जिला अध्यक्ष मनोनीत किया।नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अशोक ढींगरा को संगठन को मजबूत करने, किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वी.एम. सिंह के संगठनात्मक विजन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनकी नियुक्ति पर उपस्थित पदाधिकारियों और किसानों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

बैठक में ज्ञानेन्द्र त्यागी, रोहित सिवाग, सचिन सिवाग, अलीमुद्दीन, नरेंद्र कुमार, रविंद्र, जविंदर, रामवीर, नीतू, राजपाल, जसवीर, मनीष, इंद्रसेन फौजी, सत्यदेव, नेत्रपाल, महेश, धर्मेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश, जगमाल, अरुण, मुनेश गिल, बलराज, सचिन कुमार, वीरेंद्र, अजीत, यशपाल, प्रदीप सिंह, अरुण भुल्लर, प्रिंस सिद्धू, लाटूर सिंह बाली, जोगिंदर सिंह, संजय, भूरे तथा फतेह मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत परिजनों ने लगाया दहेज का आरोप,मृतका ने कुछ घंटे पहले ही फोन कर बताया था जान को खतरा

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है।परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही बुलेट मोटरसाइकिल, सोने की चेन और नकदी की मांग की जा रही थी। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत से पहले बहन ने परिवार को किया था फोन मृतका सोनम के भाई आशीष ने बताया कि घटना से पहले उसकी बहन का फोन आया था।

उसने बताया था कि ससुराल वाले उसे मारने की धमकी दे रहे हैं और लगातार दहेज की मांग कर रहे हैं।आशीष के अनुसार, सोनम ने कहा था कि उसके भाई के आने पर वह पूरी बात बताएगी। मृतका का भाई उसी दिन शाम को ससुराल जाने वाला था।

अस्पताल पहुंचने पर नहीं मिला कोई रिकॉर्ड आशीष ने बताया था कि शाम को उसकी मां के पास सोनम के पति का आकाश का फोन आया था,जिसमें उन्हें सूचित किया गया था कि सोनम को बिजली का झटका लगा है और तुरंत देव नंदनी अस्पताल आ जाए। लेकिन अस्पताल पहुंचने पर किसी भी सोनम नाम की लड़की के भर्ती होने की जानकारी नहीं है। ससुराल पहुंचने पर मिला शव।भाई ने बताया कि इसके बाद उसने बहन के ससुराल में फोन किया। वहां से जवाब मिला कि सोनम घर पर है। जब वह ससुराल पहुंचा तो वहां सोनम का शव पड़ा हुआ था। आशीष का कहना है कि मौके पर उसे केवल मृतका की सास और ससुर मिले,जबकि घर के अन्य सदस्य वहां मौजूद नहीं थे।

भाकियू एकता शक्ति में नीरज शर्मा को मिली बड़ी जिम्मेदारी, युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अक्षित शर्मा एवं युवा national अध्यक्ष उदय कुमार के नेतृत्व में संगठन की युवा इकाई को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से नीरज शर्मा को युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।नवनियुक्त युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीरज शर्मा का संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित ने भी फूल-माला पहनाकर उनका अभिनंदन करते हुए संगठन की ओर से शुभकामनाएं दीं।राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अक्षित शर्मा ने कहा कि नीरज शर्मा लंबे समय से संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं तथा उनकी नियुक्ति से युवा विंग को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त युवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने एवं युवाओं को संगठन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अपने स्वागत के दौरान नीरज शर्मा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री राम अवतार सोलंकी, युवा मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रमोद नेता, दादरी तहसील अध्यक्ष ब्रज किशोर सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकारी चकरोड पर कब्जे और पेड़ कटान का आरोप, पुलिस से शिकायत

लुकमान खान

पूरनपुर/पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। थाना माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम रामपुर फकीरे निवासी बाबूराम ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर गांव के ही एक खेत स्वामी टापू सिंह पर सरकारी चकरोड पर कब्जा करने और सरकारी पेड़ काटने का आरोप लगाया है। पीड़ित बाबूराम के अनुसार आरोपी ने सरकारी चकरोड (रास्ते) को अपने खेत में मिलाकर उस पर अवैध कब्जा कर लिया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी द्वारा पूर्व में चकरोड किनारे लगे सरकारी पॉपुलर के पेड़ों को काटा जा चुका है। बाबूराम का कहना है कि बीती रात आरोपी ने चकरोड पर स्थित एक बड़ा जामुन का पेड़ भी काटकर अपने घर ले गया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने कथित रूप से उन्हें धमकाया और चुप रहने को कहा। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सरकारी भूमि से कब्जा हटवाने तथा पेड़ कटान के मामले में दोषी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

गौवंश से टकराई बाइक, हेमकुंड साहिब से लौट रही महिला की मौत

लुकमान खान

पूरनपुर/पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। बीती रात पूरनपुर क्षेत्र के मोहनपुर चौराहे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हेमकुंड साहिब के दर्शन कर वापस लौट रही महिला श्रद्धालु लवप्रीत कौर की बाइक अचानक सड़क पर आए आवारा गौवंश से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना पूरनपुर पुलिस और एनएचएआई (NHAI) की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं दुर्घटना में घायल हुए गौवंश को गौ रक्षा दल के कार्यकताओं ने रेस्क्यू कर उपचार के लिए गौशाला भिजवाया। स्थानीय लोगों ने सड़क पर घूम रहे आवारा पशुओं की समस्या को लेकर चिंता जताई है और प्रशासन से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

हरिद्वार चिंतन शिविर में गूंजेगी किसानों की आवाज, रणनीति बनाएगी भारतीय किसान यूनियन

लुकमान खान

पूरनपुर/पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने की, जबकि संचालन जिला सचिव रामकृपाल ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने बताया कि हरिद्वार स्थित लाल कोठी परिसर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर राजेश सिंह चौहान की उपस्थिति में किसानों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बढ़ती कृषि लागत, किसानों को फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था, आवारा गोवंश की समस्या, गन्ना किसानों का बकाया भुगतान तथा सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार जैसे विषय चिंतन शिविर के प्रमुख एजेंडे में शामिल रहेंगे।

इन मुद्दों के समाधान और किसानों के हितों की रक्षा के लिए आगे की रणनीति भी तैयार की जाएगी।

मंजीत सिंह ने जनपद पीलीभीत के किसानों एवं संगठन के पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में हरिद्वार पहुंचकर राष्ट्रीय चिंतन शिविर एवं महापंचायत को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों की एकजुटता ही उनकी समस्याओं के समाधान का सबसे बड़ा माध्यम है।

बैठक में बलजीत सिंह, तेजराम वर्मा, संजीव यादव सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। सोशल मीडिया पर कथित रूप से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पीलीभीत जनपद के शेरपुर कलां क्षेत्र के कुछ नागरिकों ने आरोप लगाया है कि एक युवक द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'itz Rajesh Verma' से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के संबंध में आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणियां की जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार की पोस्ट और टिप्पणियां समाज में वैमनस्य एवं तनाव पैदा कर सकती हैं। नागरिकों ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग समाज में भाईचारा और सकारात्मक संदेश फैलाने के लिए होना चाहिए, न कि किसी समुदाय की भावनाओं को आहत करने के लिए। क्षेत्र के लोगों ने साइबर सेल एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से नफरत फैलाने, अशांति उत्पन्न करने या किसी समुदाय के प्रति आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने की पुष्टि होती है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे ऐसे विवादित एवं भड़काऊ कंटेंट पर निगरानी रखी जाए, ताकि क्षेत्र में आपसी सौहार्द, शांति और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

7 वर्ष पुराने वैवाहिक विवाद का महिला थाना हापुड़ में हुआ सफल समाधान, पति-पत्नी ने साथ रहने की जताई सहमति

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। महिला थाना हापुड़ में एक सराहनीय पहल के तहत रूबी पत्नी आलम और उनके पति के बीच चल रहे पारिवारिक मतभेद का सफलतापूर्वक समाधान कराया गया। करीब सात वर्षों से वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे दंपति के बीच उत्पन्न विवाद को आपसी बातचीत, समझाइश और काउंसलिंग के माध्यम से समाप्त कराया गया, जिसके बाद दोनों ने पुनः साथ मिलकर सुखद एवं शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करने की सहमति व्यक्त की।इस समाधान प्रक्रिया में प्रभारी निरीक्षक महिला थाना हापुड़ अरुणा राय, महिला हेड कांस्टेबल कविता एवं महिला हेड कांस्टेबल बीना चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महिला थाना टीम ने दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें रिश्तों की अहमियत समझाई और आपसी विश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण समझौता हो गया।प्रभारी निरीक्षक अरुणा राय ने कहा, 'महिला थाना का प्रयास रहता है कि पारिवारिक विवादों का समाधान आपसी संवाद और समझदारी के माध्यम से कराया जाए। परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और जहां भी संभव हो, रिश्तों को टूटने से बचाने का प्रयास किया जाता है। रूबी और आलम के बीच हुआ यह समझौता सकारात्मक सोच और आपसी विश्वास की जीत है।'

समझौते के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखने तथा भविष्य में किसी भी विवाद का समाधान आपसी बातचीत से करने का भरोसा दिया। परिजनों ने भी महिला थाना हापुड़ की इस पहल की सराहना करते हुए टीम का आभार व्यक्त किया।

टांडा क्षेत्र में चोरी की वारदात, चोरों ने उड़ाए 15 लाख के जेवर व नकदी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टांडा। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लखमन नगला में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी कर ली। चोरों ने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया और सोते हुए परिवार को बेखबर रखते हुए सोने-चांदी के आभूषण व नकदी समेत करीब 15 लाख रुपये का माल लेकर फरार हो गए। गांव निवासी शराफत पुत्र अजमत अली रविवार देर रात करीब 12 बजे प्रधान की चौपाल से लौटकर मकान की छत पर सो गए थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य सहन में सो रहे थे। कूलर और पंखों की तेज आवाज के कारण किसी को चोरों की आहट तक नहीं लगी। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो कमरे का ताला टूटा देखकर हड़कंप मच गया। अंदर पहुंचने पर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी व संदूक खुला हुआ था। जांच में पता चला कि संदूक में रखे सभी कीमती सामान गायब थे। चोर सोने का झूमर, टीका, लचकारा,दो सोने की अंगूठियां,तीन सोने के हार, दो पेंडिल, एक कंठी,तीन सोने के नाक के फूल,चांदी की तीन जोड़ी पाजेब, चांदी की चोटी सहित अन्य आभूषण चुरा ले गए। परिजनों के अनुसार जेवरों की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये है।इसके अलावा संदूक में रखी 2 लाख 70 हजार रुपये की नकदी भी चोर ले गए। परिवार ने बताया कि शराफत के पुत्र सुबहान की छह महीने पहले शादी हुई थी, जिसमें प्राप्त दो लाख रुपये नकद घर में रखे हुए थे। कुछ दिन पहले भैंस बेचकर प्राप्त 70 हजार रुपये भी संदूक में रखे थे, जो चोरी हो गए।

पूरनपुर सीएचसी में ईएनटी डॉक्टर की मांग, सभासद ने डीएम व सीएमओ को भेजा ज्ञापन

लुकमान खान

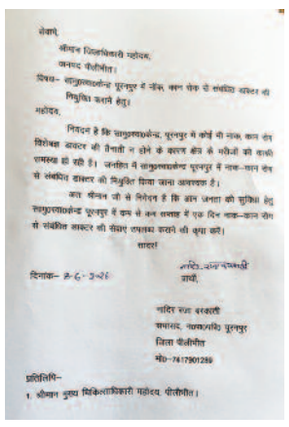

पूरनपुर/पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पूरनपुर में नाक, कान एवं गला (ईएनटी) विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती न होने से क्षेत्र के मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद पूरनपुर के सभासद नादिर रजा बरकाती ने जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को ज्ञापन भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

सभासद नादिर रजा बरकाती ने कहा कि पूरनपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज नाक, कान और गले से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए सीएचसी पहुंचते हैं, लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध न होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल या निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। इससे गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों में महंगा इलाज होने के कारण आम जनता शोषण का शिकार हो रही है। वहीं जिला अस्पताल तक जाने में समय और धन दोनों की बबार्दी होती है। ऐसी स्थिति में क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरनपुर सीएचसी में सप्ताह में कम से कम एक दिन ईएनटी विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती की जानी चाहिए। सभासद ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी से जनहित में शीघ्र कार्रवाई करते हुए ईएनटी विशेषज्ञ की व्यवस्था कराने की मांग की है, जिससे क्षेत्र की हजारों जनता को राहत मिल सके और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने राज्य की विभिन्न महत्वपूर्ण अवसंरचना एवं विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रगति पोर्टल के माध्यम से राज्य की विभिन्न महत्वपूर्ण अवसंरचना एवं विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने परिवहन, ऊर्जा, लोक निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग, सीमा सड़क संगठन तथा अन्य विभागों की 6,940 करोड़ की कुल 12 प्रमुख परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं के कार्यों में और तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री स्तर पर प्रत्येक माह, मुख्य सचिव स्तर पर 10 दिनों में इसकी समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार सख्त कारवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर 50 प्रतिशत तक कार्य हो चुका है, 15 अक्टूबर 2026 तक उन कार्यों को पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में भूमि हस्तांतरण, वन स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, क्षतिपूर्ति भुगतान अथवा अन्य प्रशासनिक कारणों से विलम्ब हो रहा है, उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग समन्वित रूप से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगति पोर्टल का प्रभावी निगरानी तंत्र के रूप में उपयोग करते हुए प्रत्येक परियोजना की नियमित समीक्षा की जाए तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर लंबित प्रकरणों की व्यक्तिगत निगरानी कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा, सीमांत क्षेत्रों की सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं, विद्युत अवसंरचना तथा परिवहन सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाएं राज्य के समग्र विकास और जनता की सुविधाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन से पर्यटन, व्यापार, निवेश एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परियोजना के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षित स्तर से कम है, उनके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, डॉ. आर.मीनाक्षी सुंदरम, सचिव बृजेश कुमार संत, डॉ. पंकज पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, बंशीधर तिवारी, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

राधारानी के गांव बरसाना पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बरसाना। उत्तर प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली सोमवार को अपनी दो दिवसीय ब्रज यात्रा के दौरान सपत्नीक विश्व प्रसिद्ध श्री राधारानी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान के साथ दर्शन-पूजन कर राधारानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके आगमन को लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं।

राजभोग आरती के समय वीआईपी प्रोटोकॉल के तहत मंदिर पहुंचे मुख्य न्यायाधीश ने सपत्नीक राधारानी के समक्ष पूजा-अर्चना की। मंदिर के सेवायत पुजारी मधुमंगल गोस्वामी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा संपन्न कराई। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने श्रीजी के चरणों में पुष्पमाला एवं भोग प्रसाद अर्पित किया। दर्शन के उपरांत उन्होंने गर्भगृह की चौखट पहुंचकर देहरी पूजन तथा इत्र सेवा भी की। इस अवसर पर मंजीत सिंह सिरोही ,जिला जज मथुरा विकास कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार तथा सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रत्युष मिश्रा भी मौजूद रहे।

दर्शन के दौरान मंदिर रिसीवर डॉ. यज्ञ पुरुष गोस्वामी एवं मधुमंगल गोस्वामी ने मुख्य न्यायाधीश को श्रीजी का प्रसादी थाल और स्मृति चिह्न भेंट किया। वहीं रिसीवर आशीष कृष्ण गोस्वामी ने राधारानी की चुनरी और बुके भेंट कर उनका सम्मान किया। मंदिर के रिसीवर सुशील गोस्वामी ने उन्हें बरसाना मंदिर के इतिहास, धार्मिक महत्व और पौराणिक परंपराओं की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य न्यायाधीश की इस धार्मिक यात्रा के दौरान प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी एडीएम नन्द प्रकाश मौर्य तथा एसडीएम गोवर्धन सुशील सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधीश के आगमन से मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु अभियान शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम के तहत सचिवालय में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी. आर. सी. पुरुषोत्तम ने गणना प्रपत्र सौंपा। सीईओ ने अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। आगामी 7 जुलाई तक एक माह के समय में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटिलाइज किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मस्तू दास भी मौजूद रहे।

84 कोस परिक्रमा मार्ग पर निरंतर सेवा का केंद्र बना सविता सिंह सौरौत का शिविर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/अडूकी। अधिक मास में 84 कोस परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से ग्राम अडूकी स्थित परिक्रमा मार्ग पर भाजपा नेत्री एवं प्रमुख समाजसेवी श्रीमती सविता सिंह सौरौत द्वारा स्थापित सेवा शिविर लगातार श्रद्धालुओं की सेवा में जुटा हुआ है। शिविर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में परिक्रमार्थी पहुंचकर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर में स्नान, शौच, चाय-पानी, नाश्ता, भोजन, विश्राम, प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाइयों एवं चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था की गई है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह शिविर राहत और सेवा का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। श्रीमती सविता सिंह सौरौत ने बताया कि धार्मिक यात्राओं में शामिल श्रद्धालुओं की सेवा करना भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा है। इसी भावना के साथ यह सेवा शिविर निरंतर संचालित किया जा रहा है ताकि परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर अन्य स्थानों पर भी सेवा शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और धर्म सेवा उनके जीवन का प्रमुख उद्देश्य है। महिलाओं के उत्थान, जरूरतमंद परिवारों की सहायता, बेटियों के विवाह और विभिन्न सामाजिक कार्यों के साथ-साथ धार्मिक आयोजनों में भी वह निरंतर सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। शिविर में पहुंच रहे श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी और लंबी पदयात्रा के बीच यह सेवा केंद्र परिक्रमार्थियों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि शिविर के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय लोगों ने श्रीमती सविता सिंह सौरौत का चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मान किया था। वर्तमान में भी शिविर पूरी सक्रियता के साथ संचालित हो रहा है और प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं को सेवा एवं सहयोग प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर भावना, सुनीता, राकेश प्रधान, संजीव पचहरा, राजू, जितेन्द्र पहलवान, हरेन्द्र तोमर, पवन कुमार प्रधान, राधेश्याम गिरी, रामवीर सिंह बिष्ट, राकेश नौटियाल सहित अनेक गणमान्य लोग सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

अवैध खनन पर चला बिहारीगढ़ पुलिस का चाबुक

राजीव मोंगरा

साहरनपुर(वेलकम इंडिया)। आज बिहारीगढ़ पुलिस का रोद्र रूप सामने आया जिस कारण कारोबारी में हड़कंप मच गया। सोमवार को थाना बिहारीगढ़ पुलिस ने क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाकर क्षेत्र से एक डंपर तथा एक ट्रैक्टर ट्राली अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई कर रही है। अवैध खनन में पकड़े गए डंपर जिसका नंबर यूके 07 CB47 86 पाया गया तथा महिंद्रा ट्रैक्टर ट्राली का नंबर यूके 07 CD 0154 पाया गया है जिनको कानूनी कार्रवाई करने के लिए धारा 207 एमवी मे पकड़ा गया है तथा संबंधित विभाग को कार्रवाई करने के लिए भेज दिया गया है। अवैध खनन में इस्तेमाल हो रहे वाहनों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र नागर, उप निरीक्षक संजीव यादव, कांस्टेबल विक्रांत यादव, अंकित तोमर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

दिल्ली में हुई अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद, संतों के द्वारा पांच प्रस्ताव हुए पास

श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास ने किया भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद का आयोजन हुआ जिसमें देश-विदेश से अनेकों साधु संत , महा मंडलेश्वर,आचार्य, पीठाधीश्वर ,जगतगुरु पधारे ।यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय संरक्षक रूप सिंह नागर के संरक्षण में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ ।इस कार्यक्रम में पांच प्रस्ताव साधु संतों के द्वारा पास हुए जिनको केंद्र सरकार के पास रजिस्टर डाक से भेजा जा रहा है ।प्रथम प्रस्ताव यह रहा कि श्री कृष्ण जन्म स्थान पर माखन मिश्री का भोग लगे, दूसरा प्रस्ताव था कि जहां कृष्ण कन्हैया का जन्म हुआ उस स्थान पर देसी गौ माता के घी का दीपक जले ,तीसरा प्रस्ताव था कि श्री कृष्ण जन्म स्थान को पवित्र गंगाजल से धो कर शुद्ध किया जाए , चौथा प्रस्ताव था कि सनातन बोर्ड का गठन हो और पांचवा प्रस्ताव में हिंदू राष्ट्र की मांग की गई,इस अवसर पर अध्यक्षता महंत नारायण गिरी जी ने की , इस अवसर पर स्वामी चक्रपाणि महाराज , फलाहारी महाराज, डॉक्टर लोकेश मुनि , महंत उमेश योगी जी महाराज स्पेन वाले, जगदुरु रामकृष्ण महाराज नासिक वाले, जगतगुरु भैया जी महाराज महाराज ,अरुण कृष्ण जीमहाराज, महामंडलेश्वर चंद्रेश जी महाराज, महा मंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण महाराज, महा मंडलेश्वर राधा नंद गिरी, महामंडलेश्वर रामदास महाराज, चित्रगुप्त पीठाधीश्वर सच्चिदानंद जी महाराज आदि संत मौजूद रहे ।संचालन नवल किशोर गिरी महाराज ने किया।और न्यास के पदाधिकारी प्रवीण शर्मा ,अश्विनी कुमार, आशु चौहान ,अनीता सिंह, मनीष बंसल दिल्ली , गिर्राज वाल्मीकि, कंचन गुप्ता, आशुतोष शर्मा, करणी सेना अध्यक्ष सनी सिंह ,डॉक्टर सिद्धार्थ भट्टाचार्य ,हेमंत पांडे,सच्चिदानंद महाराज, गुंजन शर्मा, सूर्य प्रकाश शर्मा, नितिन गर्ग ,सुरेश शर्मा जय हिंद मंच, उर्मिला यादव, इंद्रदेव कौशिक, हैप्पी राव बिहार , सीमा गोयल, सोनम शर्मा, रघुनंदन भारद्वाज, हिमाचल से मनोज उपाध्याय, सोनिया ठाकुर, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

सपा कार्यकताओं का तहसील पर प्रदर्शन, महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरा बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर गोवर्धन तहसील मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने 'महंगाई पर रोक लगाओ', 'युवाओं को रोजगार दो', 'बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार सपा सरकार' और 'रोजगार दो या गद्दी छोड़ो' जैसे नारे लिखे थे प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सपा नेता ठा. किशोर सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस, खाद्य तेल और दालों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम आदमी का घर चलाना मुश्किल हो गया है कार्यकताओं ने सरकार पर 2 करोड़ रोजगार देने का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के बजाय पकौड़े तलने की सलाह दी जा रही है। सरकारी भर्तियां लटकी पड़ी हैं और पेपर लीक हो रहे हैं, जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया। हालांकि एस डी एम के कार्यालय में मौजूद न होने के कारण उन्होंने ज्ञापन को एसडीएम की नेम प्लेट के ऊपर चिपकाया और जल्द महंगाई पर लगाम लगाने की मांग की।

प्रत्येक जीव को श्रवण करनी चाहिए श्रीमद्भागवत की कथा : आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। रामताल रोड़ स्थित गणेश सिटी सोसायटी के श्रीराधा नील माधव जू मन्दिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर चल रहे सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव के अंतर्गत व्यास पीठ से ठाकुर श्रीराधा रमण मंदिर के सेवाधिकारी आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को भगवान के चौबीस अवतारों, समुद्र मंथन, भक्त प्र'ाद प्रसंग, ध्रुव चरित्र, विदुर प्रसंग, सती चरित्र और नरसिंह अवतार की कथा श्रवण कराई। व्यासपीठाधीन श्रद्धेय आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा जीवन के साथ-साथ मृत्यु को भी सुखद और आनंदमय बना देती है। इसका श्रवण, वाचन व अध्ययन करने से व्यक्ति पाप मुक्त होकर प्रभु की भक्ति को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित 18वां पुराण श्रीमद्भागवत साक्षात कल्पवृक्ष के समान है इसका आश्रय लेने वाले व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं निश्चित ही पूर्ण होती हैं इसीलिए प्रत्येक जीव को अपने जीवन में एक बार श्रीमद्भागवत की कथा अवश्य श्रवण करनी चाहिए। कार्यक्रम में पधारे चतुःसंप्रदाय के श्रीमहंत बाबा फूलडोल बिहारीदास महाराज एवं भागवत भास्कर कृष्ण चंद्र शास्त्री (ठाकुरजी) महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत ग्रंथ व व्यासपीठ का पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर कथा के मुख्य यजमान प्रणव अवस्थी (नई दिल्ली), बाल कृष्ण शर्मा, धानवी गोस्वामी, राजकुमार शर्मा, मनीषा गोस्वामी, समीक्षा गोस्वामी, विदुषी गोस्वामी, गोपाल खंडेलवाल, बाल कृष्ण, अजय शर्मा, शैफाली शर्मा, अभिजीत शर्मा, शर्मिला शर्मा, मिक्की शर्मा, मोहन श्याम, जॉय गोस्वामी, अब्बू गोस्वामी, प्रमोद शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक निधि से बनेगा 'राजगुरु-सुखदेव सभागार', दीवानी न्यायालय परिसर में हुआ शिलान्यास

24.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित होगा 'राजगुरु-सुखदेव सभागार', अधिवक्ताओं को मिलेगा बेहतर सुविधाओं का केंद्र

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मोत्सव के अवसर पर सोमवार को दीवानी न्यायालय परिसर स्थित सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन, सिद्धार्थनगर में विधायक निधि से निर्मित होने वाले 'राजगुरुञ्जसुखदेव सभागार' का शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। करीब 24.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस सभागार की आधारशिला कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने रखी। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

समारोह की अध्यक्षता सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह एडवोकेट ने की, जबकि संचालन एवं स्वागत संबोधन एसोसिएशन के महामंत्री कृपाशंकर त्रिपाठी एडवोकेट ने किया।

कार्यक्रम में विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अधिवक्ताओं के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नया सभागार अधिवक्ताओं के लिए बैठकों, संगोष्ठियों और विभिन्न विधिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि लंबे समय से अधिवक्ताओं द्वारा एक सुसज्जित सभागार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

विधायक निधि से इस निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने से अधिवक्ता समुदाय की एक महत्वपूर्ण मांग पूरी होने जा रही है। उन्होंने इसके लिए विधायक श्यामधनी राही के प्रति आभार व्यक्त किया। महामंत्री कृपाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि सभागार का निर्माण बार एसोसिएशन के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

इससे अधिवक्ताओं को बैठकों एवं सामाजिक-वैधानिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी तथा न्यायिक गतिविधियों को भी नया आयाम प्राप्त होगा। कार्यक्रम को वरिष्ठ अधिवक्ता गंगाराम पांडेय, वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, शत्रुघ्न प्रसाद चौधरी, शेखर सिंह, रमेश कुमार पांडेय सत्य प्रकाश श्रीवास्तव श्रीमती अनुपमा सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर पवन चंद्र शुक्ला, भार्गव नरेंद्र कुमार, रिंकू श्रीवास्तव, भूपेंद्र सिंह बघेल, राघवेंद्र सिंह, राकेश सिंह, प्रमोद दुबे, प्रियंका सिंह, प्रमोद सिंह, अरविंद शुक्ला, पशुपति नाथ दुबे, प्रभाकर मिश्रा, गिरिजेश पांडेय, देवानंद श्रीवास्तव, दिवाकर दुबे, रियाज अहमद, त्रिपाठी सहोदर भाई, प्रियंका सिंह मणिकांत मिश्रा, गिरजेश बहादुर सिंह, अनिल विश्वकर्मा,जयनेन्द्र मिश्रा, दीपक शाही आदि की उपस्थिति रही।

ब्रज साहित्य परिषद् न्यास की नवीन कार्यकारिणी हुई गठित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/परासौली। भाषा के उन्नयन के लिए समर्पित संस्थान ब्रज साहित्य परिषद न्यास की नवीन कार्यकारिणी का गठन सभी सदस्यों की सामूहिक सहमति द्वारा किया गया।

आम सभा की बैठक का आयोजन चन्द्रसरोवर परासौली स्थित सूर श्याम गौशाला के प्रांगण किया गया जिसमें मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेन्द्र दास देवाचार्य जी महाराज को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में स्वर कोकिल राधागोविन्द पाठक, उपाध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार देवी प्रसाद गौड, वरिष्ठ कवि हरिबाबू ओम को महामंत्री, कवि एवं भागवत किंकर गोपाल प्रसाद गोप को उपमंत्री, देवेंद्र शर्मा को कोषाध्यक्ष, आयव्यय निरीक्षक के रूप में नारायण सिंह और प्रचार प्रसार मन्त्री धीरज कौशिक को मनोनीत किया गया।

अनिल शर्मा अनल,रेनु उपाध्याय नेत्रपाल राघव बिनीत गौतम दिवाकर शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। न्यास का कार्यकाल दो वर्ष का होता है। ब्रजसाहित्य परिषद न्यास के तत्वावधान में आगामी बैठक में ब्रजभाषा उन्नयन हेतु रूपरेखा तैयार करने पर भी सहमति जताई।

समझौतों की अवहेलना और निरंतर उत्पीड़न से बिजली कर्मियों में गहरा असंतोष

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा है कि ऊर्जा क्षेत्र के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु हुए लिखित समझौतों का आज तक पूर्ण पालन न होने से बिजली कर्मियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। साथ ही आंदोलन के दौरान एवं उसके बाद की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों को वापस न लिए जाने से कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। संघर्ष समिति ने कहा कि यह स्थिति पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

संघर्ष समिति के पदाधिकारी सुनील प्रजापति ने बताया कि बिजली कर्मियों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिए 03 दिसंबर 2022 को माननीय ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा एवं संघर्ष समिति के बीच एक महत्वपूर्ण लिखित समझौता हुआ था। यह समझौता माननीय मुख्यमंत्री जी के मुख्य सलाहकार श्री अवनीश अवस्थी, आई ए एस (से नि) की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संपन्न हुआ था। किंतु अत्यंत खेद का विषय है कि इस समझौते के अधिकांश बिंदुओं को आज तक लागू नहीं किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि समझौते के क्रियान्वयन में हो रही लगातार देरी के कारण कर्मचारियों को मार्च 2023 में सांकेतिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके बावजूद समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर कर्मचारियों के विरुद्ध विभिन्न प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां की गईं। संघर्ष समिति के

पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने स्मरण कराया कि 19 मार्च 2023 को पुनः माननीय ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ था। उस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने तत्कालीन अध्यक्ष, पावर कॉरपोरेशन को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि आंदोलन के कारण की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस ली जाएं, दर्ज कराई गई एफआईआर समाप्त की जाएं तथा हटाए गए सभी संविदा कर्मचारियों को पुनः सेवा में बहाल किया जाए। दुर्भाग्यवश इन निर्देशों का भी आज तक समुचित पालन नहीं किया गया है। संघर्ष समिति के पदाधिकारी दिलीप सिंह ने कहा कि न तो 03 दिसंबर 2022 के समझौते का पूर्ण क्रियान्वयन हुआ है और न ही 19 मार्च 2023 को हुए समझौते एवं ऊर्जा मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन किया गया है। इससे पूरे प्रदेश के बिजली कर्मचारियों में गहरा असंतोष और निराशा व्याप्त है। संघर्ष समिति ने कहा कि प्रदेश के बिजली कर्मी माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व एवं निर्देशों पर पूर्ण विश्वास रखते हैं। यही कारण है कि उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों का सामना करने के बावजूद भीषण गर्मी के इस कठिन दौर में वे प्रदेश की जनता को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। संघर्ष समिति के पदाधिकारी सूरज प्रजापति ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से मांग की है कि वह अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने तथा औद्योगिक सौहार्द कायम रखने के लिए मार्च 2023 के आंदोलन से संबंधित तथा उसके बाद की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों को तत्काल प्रभाव से वापस ले। साथ ही 03 दिसंबर 2022 एवं 19 मार्च 2023 के समझौतों के सभी बिंदुओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि समझौतों का सम्मान और कर्मचारियों की जायज समस्याओं का समाधान ही स्वस्थ औद्योगिक संबंधों तथा प्रदेश की बेहतर विद्युत व्यवस्था की आधारशिला है। इस क्रम में आज संत कबीर नगर में विरोध प्रदर्शन में सुनील प्रजापति, सूरज प्रजापति, दिलीप सिंह, अमरनाथ यादव, दुर्गा प्रसाद, नारायण चंद्र चौरसिया, सूरज प्रजापति, संजय यादव, विजय कुमार, अशोक कुमार, रंजन कुमार, संतोष गुप्ता, आर्यन कुमार, वीरेंद्र मौर्य, रमेश प्रजापति, प्रिंस गुप्ता, रितेश कुमार समेत अन्य विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

मकान पर कब्जे की नीयत से महिला से मारपीट व छेड़छाड़ का आरोप, कार्रवाई की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के नई बस्ती निवासी एक महिला ने अपने जेठ, देवर समेत पांच लोगों पर मकान पर कब्जा करने की नीयत से मारपीट, छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिला नहीं जिलाधिकारी एवं एसपी को शिकायती पत्र भेजा है। सोमवार को थाना क्षेत्र की नई बस्ती निवासी अफसाना पत्नी कासिम ने बताया कि उसके ससुर द्वारा पूर्व में अपनी संपत्ति का बंटवारा सभी पुत्रों के बीच कर दिया गया था। बंटवारे में उसके पति के हिस्से में सलेमपुर रोड स्थित एक मकान आया था, जिसमें वह पिछले चार वर्षों से परिवार सहित रह रही है। महिला का कहना है कि मकान का बिजली कनेक्शन भी उसके पति के नाम पर है और वह नियमित रूप से बिल का भुगतान करते आ रहे हैं। आरोप है कि उसके जेठ हासिम तथा देवर नाजिम और नासिर अब उक्त मकान पर कब्जा करना चाहते हैं। महिला का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और उत्पीड़न करते हैं तथा मकान खाली करने का दबाव बना रहे हैं। महिला के अनुसार, 28 मई को वह अपने बच्चों के साथ घर पर मौजूद थी। तभी आरोपी घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके कपड़े फाड़ दिए गए तथा उसके साथ अभद्रता भी की गई। शोर सुनकर आसपास के लोग और उसका पति मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए।

खाद लेने पहुंचे किसानों का गुस्सा, पानी न मिलने पर इफको केंद्र पर हंगामा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे की नवीन सब्जी मंडी स्थित इफको किसान सेवा केंद्र पर खाद लेने पहुंचे किसानों को घंटों तक चिलचिलाती धूप में खड़ा रहना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच पीने के पानी की समुचित व्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए किसानों ने केंद्र पर जमकर हंगामा किया और प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई। किसानों ने प्रशासन से सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।क्षेत्र में किसानों की खाद खरीदने के लिए इफको किसान सेवा केंद्र पर भारी भीड़ उमड़ रही है।

सोमवार को भी बड़ी संख्या में किसान खाद लेने के लिए कस्बे की नवीन सब्जी मंडी के इफको केंद्र पहुंचे। किसानों का आरोप है कि उन्हें लंबे समय तक कतार में खड़ा रहना पड़ा, जबकि केंद्र पर पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण कई किसान परेशान नजर आए।किसान साहब सिंह ने बताया कि केंद्र पर किसानों के लिए

पीने के पानी की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है। घंटों तक लाइन में खड़े रहने के दौरान किसानों को प्यास से जूझना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि गर्मी के इस मौसम में पानी जैसी मूलभूत सुविधा का अभाव किसानों की परेशानी को और बढ़ा रहा है। किसानों का आरोप है कि पानी की व्यवस्था नहीं होने के साथ धूप से बचने के लिए भी कोई भी व्यवस्था नहीं की गई है।आरोप लगाया कि केंद्र परिसर में पानी के लिए फ्रीजर तो रखा गया है, लेकिन उसमें पीने का पानी उपलब्ध नहीं था। ऐसे में किसानों को कोई राहत नहीं मिल पा रही है। किसानों का कहना है कि केंद्र पर बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।किसानों ने केंद्र परिसर में प्रदर्शन करते हुए प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द पानी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। केंद्र पर तैनात बाबू निमेष राठौर ने किसानों के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि केंद्र पर पानी की टंकी की व्यवस्था की गई है और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जा रही। प्रदर्शन के दौरान तसव्वर जंग, विकास, साजिद, रमेश, ओसामा, रफाकत, अजीम सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त विद्युत पोल सड़क पर गिरा, मोहल्ले की बिजली आपूर्ति बाधित

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला मोलानान में एक क्षतिग्रस्त विद्युत पोल अचानक सड़क पर गिर गया, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सोमवार को कस्बे के मोहल्ला मोलानान निवासी फारूक, आसिम, नदीम, शकेब, अख्तर, आसिफ और खालिद सहित अन्य लोगों ने बताया कि उक्त विद्युत पोल काफी समय से जर्जर हालत में था।

इसकी शिकायत कई बार विद्युत विभाग से की गई थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। सोमवार को पोल अचानक सड़क पर गिर गया, जिससे मोहल्ले की बिजली व्यवस्था बाधित हो गई।आरोप है कि घटना की सूचना विद्युत विभाग को देने के बावजूद कई घंटों तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने

विद्युत विभाग के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत कर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

विद्युत विभाग के अवर अभियंता धीरज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही विभागीय टीम को मौके पर भेज दिया गया है। क्षतिग्रस्त पोल को हटाने और विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य शुरू करा दिया गया है।

सीएम से ग्राम पंचायत को नगरीय सुविधा दिलाने हेतु नगर पंचायत में सम्मिलित कराने की मांग

असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत कस्बा उसका बाजार के सटे बह रही कूड़ा नदी पर पुराने रेलवे पुल के उत्तर दिशा में आवागमन और व्यावसायिक गतिविधियों के मद्देनजर एक नया पुल बनाने की मांग जोर पकड़ने लगा है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला ने रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र सौंप कूड़ा नदी पर नया पुल बनाने की मांग की है। आशीष शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सर्वे कराकर नया पुल बनवाने का आश्वासन दिया है। आपको बता दें कि उसका बाजार के दोनों तरफ से बाईपास सड़क बन जाने से इसकी व्यवसायिक गतिविधियां सुस्त पड़ गई है। इससे सैकड़ों व्यापारियों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

इस निराशा में वह पलायन करने को मजबूर हैं। बता दें कि इस बाजार का ऐतिहासिक महत्व रहा है, ब्रिटिश काल में उसका बाजार बड़ा व्यावसायिक केन्द्र था। यहां से अनाज, चमड़े और कपड़े का व्यापार होता था। वर्तमान में भी यहां से अनाज का व्यापार बड़े पैमाने पर होता है। इसके अलावा मच्छरदानी और कपड़े की खरीदारी के लिए भी दूर-दूर से व्यापारी यहां आते हैं। उसका बाजार के सटे ब्रिटिश काल में 1885 में बने रेलवे पुल से ट्रेन, बस व छोटे-बड़े व्यवसायिक वाहनों का आवागमन होता था, जो अब पूरी तरह से बन्द है। इस पुराने पुल पर केवल दुपहिया वाहन व पैदल ही आवागमन होता है। एक दशक पूर्व बड़ी रेलवे लाइन परिवर्तन के क्रम में बगल में नये पुल का निर्माण हुआ, जिस पर केवल ट्रेन ही गुजरती है। पुल बनने से इस ऐतिहासिक बाजार का अस्तित्व बचा रहेगा और व्यवसाय पुनः रफ्तार पकड़ लेगा। भाजपा जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला ने नगर पंचायत उसका बाजार के सीमा विस्तार कर इसमें गंगाधरपुर, भिटिया, मेहदिया, पठानपुर, नवलपुर, केवटलिया, सुगही, लक्षनपुर और कोल्हुआ ग्राम पंचायत को नगरीय सुविधा दिलाने हेतु नगर पंचायत में सम्मिलित कराने की मांग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है।

छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त धर्मेंद्र चढ़ा पुलिस के हत्थे

राजीव मोंगरा

गागलहेड़ी/सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना गागलहेड़ी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के मामले में नामजद एक आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही पूरी कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार (8 जून) को एक पीड़िता की माता ने थाना गागलहेड़ी में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ग्राम पुण्डैन निवासी धर्मेंद्र पुत्र ओमप्रकाश ने उनकी पुत्री के साथ छेड़छाड़ की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर ने तत्काल घटना का संज्ञान लिया और आरोपी की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश जारी किए। पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। आज सोमवार को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर गागलहेड़ी पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए वांछित अभियुक्त धर्मेंद्र पुत्र ओमप्रकाश को उसके गृह ग्राम पुण्डैन से ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को दबोचने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से उप-निरीक्षक रामवीर सिंह, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार और रिक्रूट कांस्टेबल प्रियांशू गौतम शामिल रहे। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

दबँगो ने नाबालिक बच्चे के साथ किया कुकर्म: थाना देवबंद मे नहीं मीला न्याय

पीड़ित की माँ ने पुलिस लाइन आकर कप्तान से लगाई न्याय की गुहार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद के ग्राम सांपला खत्री थाना देवबन्द जिला सहारनपुर की रहने वाली महिला ने आज पुलिस लाइन अपने नाबालिग बच्चे के साथ पहुंच कर पुलिस कप्तान से न्याय की गुहार लगाई है । कप्तान साहब को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार घटना दिनांक 22.05.2026 को दिन के दोपहर की है। प्राथीर्या का पुत्र जिसकी उम्र करीब 13 वर्ष घर के बाहर खेल रहा था। तो विपक्षीगण अलतमश पुत्र महबूब व एक व्यक्ति अज्ञात निवासीगण ग्राम सांपला खत्री थाना देवबन्द जिला सहारनपुर ने प्राथर्थार्या के पुत्र का मुंह दबोचकर जबरदस्ती अपनी मोटरसाईकिल पर

बैठा लिया और उसे नजदीक के मौजूद कब्रिस्तान में ले गये और वहां पर प्राथीर्या के पुत्र के साथ जबरदस्ती डरा धमकाकर अप्राकृक्तिक दुष्कर्म किया और बच्चे को धमकाया कि यदि इसके बारे में किसी को बताया तो तुझे व तेरे परिवार को जान से मार देगे। डरे सहमे पीड़ित बच्चे ने अपने परिवार वालो से कोई भी जिक्र नहीं किया, लेकिन 5 से 7 दिन बाद जब उसकी हालत खराब होने लगी और उसे मलमूत्र करने में परेशानी होने लगी तो उसने इसका जिक्र अपनी माता यानि प्राथीर्या से किया। प्राथीर्या ने अपने पुत्र का अब तक गांव में ही मौजूद डॉक्टर के यहां इलाज कराया। प्राथीर्या ने जब विपक्षी अलतमश से इस सम्बन्ध में कहा तो विपक्षी अलतमश ने प्राथीर्या व प्राथीर्या के परिवार को जान से मारने की धमकी दी और कहा कि अगर हमारे खिलाफ कोई कार्यवाही की तो तुझे व तेरे बेटे को जान से मार देगें। विपक्षी अलतमश व उसके परिवार वालो का गांव में काफी दब दबा है, जो एक दबंग व पैसे वाले व्यक्ति है। प्राथीर्या के पुत्र अब हालत में कुछ सुधार है। प्राथीर्या ने उपरोक्त घटना के सम्बन्ध में दिनांक 03.06.2026 को एक प्रार्थना पत्र थाना देवबन्द पर रिपोर्ट दर्ज कराने हेतू दिया था। लेकिन थाने वालो ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की और न ही प्राथीर्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न करने पर प्राथीर्या मजबूर होकर पुलिस कप्तान से न्याय की गुहार लगाने आई है। ताकि उसके बच्चे को न्याय मील सके।

बंद वाहन रिपेयरिंग की दुकान में लगी आग, फायर टीम ने पाया काबू

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना कुतुबशेर क्षेत्र के मेला गुघाल पुल के नीचे स्थित एक बंद वाहन रिपेयरिंग की दुकान में सोमवार दोपहर आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार, मेला गुघाल पुल के नीचे स्थित अकरम पुत्र अब्दुल कुरैशी की वाहन रिपेयरिंग की बंद दुकान में लगभग 12 :10 बजे आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंची फायर टीम ने मोटर फायर इंजन (एमएफई) की सहायता से पम्पिंग कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। फायर कर्मियों की तत्परता और कुशलता के चलते आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया तथा कुछ ही देर में पूरी तरह बुझा दिया गया। अग्निशमन विभाग के अनुसार इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से आसपास के क्षेत्र को भी सुरक्षित रखा जा सका। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने फायर विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जनपद की फायर सर्विस किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चौबीसों घंटे तत्पर है।

पुलिस टीम पर हमला कर अभियुक्त को छुड़ाने वाले 3 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत, थाना गंगोह पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने उन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है जिन्होंने न केवल पुलिस हिरासत से एक वारंटी को छुड़ाया था, बल्कि पुलिस टीम पर जानलेवा हमला भी किया था।

थाना गंगोह पुलिस ने ग्राम कुण्डा कलाँ से वारंटी अभियुक्त अफजाल उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान अफजाल के परिजनों ने पुलिस का रास्ता रोककर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिसमें हेड कांस्टेबल परविन्दर घायल हो गए और अभियुक्त अफजाल मौके से फरार हो गया।

इस संबंध में थाना गंगोह पर

बीएनएस की सुसंगत धाराओं और सीएलए एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कड़े रुख के बाद, आज दिनांक 08 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम बेगीरुस्तम से दौलतपुर जाने वाले रास्ते से घेराबंदी कर मुख्य अभियुक्त अफजाल सहित उसके दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने नाम अफजाल उर्फ गोलू पुत्र लियाकत उर्फ रूला (वारंटी एवं मुख्य अभियुक्त), गुलजार पुत्र लियाकत उर्फ रूला एवं इस्तकार पुत्र लियाकत उर्फ रूला निवासीगण ग्राम कुण्डा कलां, थाना गंगोह, सहारनपुर) बताये। अभियुक्तों के पास से 01 अदद अवैध चाकू (घटना में प्रयुक्त) एवं 02 अदद डण्डे (घटना में प्रयुक्त) बरामद किये गये। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप-निरीक्षक देवेश कुमार, उप-निरीक्षक सतेन्द्र कुमार (चौकी प्रभारी कुण्डा कलाँ), हेड कांस्टेबल चन्द्रपाल सिंह, हेड कांस्टेबल मन्दीप तालियान और कांस्टेबल कुलदीप कुमार की मुख्य भूमिका रही।

दिल्ली राज्य ओपन ग्रीष्मकालीन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में युगांक और नेहल ने जीता स्वर्ण पदक

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली राज्य एथलेटिक्स संघ के तत्वाधान मे दिल्ली राज्य ओपन ग्रीष्मकालीन एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 का आयोजन नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 02 से 04 जून तक किया गया। जिसमे सहारनपुर जिले के युगांक चौधरी और नेहल जुनेजा ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। जिला एथलेटिक्स संघ सहारनपुर के सचिव व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं तकनीकी अधिकारी डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि कि उत्तर प्रदेश की तरफ से सहारनपुर जिले के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी युगांक चौधरी ने 400 मीटर दौड़ और नेहल जुनेजा ने ट्रायथलॉन ग्रुप सी में भाग लेकर स्वर्ण पदक अर्जित कर सहारनपुर जिले के नाम गौरवान्वित कर दिया। युगांक चौधरी ने 20 वर्ष से कम आयु वर्ग की 400 मीटर दौड़ को 48.24 सेकंड में पूर्ण कर प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कुमारी नेहल जुनेजा ने 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की ट्रायथलॉन ग्रुप सी में भाग लेकर सर्वाधिक अंक 2270 अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष व पारदर्शी बनाने हेतु एडीएम व एएसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सोमवार को अपर जिलाधिकारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी, सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान संतकबीर आचार्य रामविलास इण्टर कालेज मगहर, सरदार पटेल इण्टर कालेज भदाह सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पहुँचकर वहाँ की सुरक्षा व्यवस्था, व्यवस्थापन एवं परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया । इस दौरान ड्यूटी में तैनात अधि0/कर्मचारीगण को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, अभ्यर्थियों के लिए सुगम एवं व्यवस्थित प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने

तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न होने देने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सघन निगरानी की व्यवस्था की गयी है । इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जनपदीय कंट्रोल रूम तथा डायल-112 को भी पूरी तरह अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं । पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी । जनपद पुलिस द्वारा अभ्यर्थियों से अपील की गयी है कि वे समय से अपने परीक्षा केंद्र पर पहुँचे तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें ।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर विश्व हिंदू महासंघ के 294 कार्यकताओं ने किया रक्तदान

मुख्यमंत्री के नेतृत्व उत्तर प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा: डा. मंगलेश श्रीवास्तव

वेलकम इंडिया संवाददाता

- बस्ती के तपसी धाम में विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन
- मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है : जय प्रकाश सिंह

बस्ती। हरेर्या के तपसी धाम में विश्व हिन्दू महासंघ के द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के अवसर पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। समापन समारोह के अवसर पर विश्व हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह व संचालन भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय सह संयोजक संजय द्विवेदी ने किया। मुख्य अतिथि महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन गया है। उत्तर प्रदेश से माफियाओ का सफाया हो गया है। हिन्दूत्व की पताका चारों लहरा रही है।

विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव संसदीय कार्य उत्तर प्रदेश जय प्रकाश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। औद्योगिकरण व रोजगार के निरंतर अवसर मिल रहे हैं। अयोध्या, काशी, विंध्याचल जैसे तीर्थ स्थलों का विकास हो रहा है। राजमाता आसमा सिंह ने महिलाओं को सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि मुख्यमंत्री योगी का सेवक बनकर विचारधाराओं को जन-जन तक पहुंचा रहा हूं। जन्मदिन समारोह के प्रथम दिन 294 जांबाज कार्यकताओं ने रक्तदान किया, जो अपने आप में बेमिशाल है। द्वितीय दिवस पर अखंड रामायण का पाठ किया गया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। समापन समारोह पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को महामंत्री दिग्विजय सिंह राणा, ब्लाक प्रमुख यशकांत सिंह, योगेंद्र सिंह, यशकांत सिंह, ध्रुव नारायण सिंह, राम नरेश सिंह मंजूल, संजय द्विवेदी, बाल कृष्ण सिंह, अखिलेश सिंह, सौरभ त्रिपाठी, राजकुमार चौधरी, सुनील मिश्रा, मनीष कुमार सिंह, विवेक श्रीवास्तव अर्पण श्रीवास्तव ने सम्बोधित किया।

इस अवसर पर विपिन सिंह, अंकुर वर्मा, मुन्ना सिंह, महेश हिन्दुस्तानी, राहुल कमलापुरी , संदीप कमलापुरी , अमरजीत सिंह, सतीश पांडे, अभिषेक सिंह, शिवम मिश्रा, रूप नारायण, विवेक श्रीवास्तव, प्रिंस जैसवाल, अभिषेक आर्य, सूरज श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, राकेश सिंह, गुलाब सिंह, सौरभ चतुवेर्दी, डॉक्टर मनोज पांडे, अंकिता सिंह, रवि शुक्ला, अंकित सिंह, रत्नेश पाल, समर प्रताप सिंह, अविनाश शर्मा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सुमित शुक्ला, शैलेन्द्र शुक्ला, अभय चौधरी, राजन पाल, विपुल सिंह, धनंजय सिंह, दीपक सोनी, राजेश त्रिपाठी, जमुना प्रसाद सहित सेकडो लोग उपस्थित रहे।

उर्स मुबारक मेले का कुल शरीफ के बाद समापन समारोह संपन्न हुआ

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अहार में सैय्यद अली हुसैन शाह साहब की 83 वीं वर्षगांठ पर चल रहे उर्स मुबारक मेले का कुल शरीफ के बाद समापन समारोह संपन्न हो गया है। इतवार की सुबह दरगाह परिसर में आयोजित समारोह में कव्वाल पार्टियों ने अली हुसैन शाह साहब की शान में उम्दा उम्दा कलाम पेश किए। इसके बाद इंतजामिया कमेटी सदर सज्जादा नशीन सैयद अब्दुल बासित मियां शाह साहब ने हिन्दू मुस्लिम यकजेहती के प्रतीक उर्स मुबारक मेले का विधिवत समापन किया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। इससे पहले शनिवार की रात में हाजी तशनीम आरिफ कव्वाल सैदपुर बदायूं और बेबी डिस्को एवं जहरा डिस्को कव्वाला का शानदार मुकाबला शुरू हुआ। एक दूसरे को शेर और शायरी के माध्यम जबाब दिए। दर्जनों शानदार कव्वालियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रोताओं ने तालियां बजाकर हौसला अफजाई की। पंडाल में श्रोताओं की खचाखच भीड़ सुबह आठ बजे तक डटी रही। इस बार अलीगढ़, मेरठ, सम्भल , दिल्ली, नोएडा समेत बुलंदशहर के विभिन्न कस्बों से हजारों श्रद्धालुओं ने आकर बाबा अली हुसैन शाह साहब की दरगाह पर हाजरी लगवाई और प्रसाद वितरण किया देश में शांति और सौहार्द की दुआ की। इस बार उर्स मुबारक मेले में सुरक्षा व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना अहार प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार शर्मा की उर्स इंतजामिया कमेटी ने भूरि भूरि प्रशंसा की। इस दौरान समाजसेवी राजेन्द्र सिंह, मुकेश कुमार, डाक्टर शौकीन, नाजिम अली, सुभाष चन्द्र, रहीस अहमद, तरीकत खां, फकरुद्दीन खां, बबलू सैफी, राहुल करण, राकेश शर्मा, जावेद खान आदि मौजूद रहे।

डिस्ट्रिक्ट बार चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं की बैठक, रविंद्र शर्मा के समर्थन में एकजुट हुए वकील

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। आगामी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में नगर के टाउन स्कूल स्थित एड. शिवम कौशिक के आवास पर अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अधिवक्ता शिवम कौशिक ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य डिस्ट्रिक्ट बार चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रविंद्र शर्मा की उम्मीदवारी और भावी रणनीति पर चर्चा करना था। बैठक में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने रविंद्र शर्मा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रविंद्र शर्मा ने सभी अधिवक्ता साथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें जीत का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य बार के सम्मान को बढ़ाना और अधिवक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की। इस विचार-विमर्श सत्र में नगर के वरिष्ठ और युवा अधिवक्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। बैठक में प्रमुख रूप से पीयूष मिश्रा, शरद कौशिक, बीपी सिंह, यतीश गौड़, सोमनाथ तोमर, विजय पाठक, वरुण कौशिक, चेतन शर्मा, तरुण गुप्ता और अंकुर पाठक सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे। सभी ने सर्वसम्मति से चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन सिंह के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा की ऐतिहासिक मुहिम- यातायात प्रभारी अमित तोमर बने बदलाव की मजबूत पहचान

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, अनुशासित एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष अभियान उल्लेखनीय परिणाम लेकर आया है- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक यातायात के पर्यवेक्षण में इस अभियान का नेतृत्व कर रहे यातायात प्रभारी अमित तोमर सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन का रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं- दिनांक 6 एवं 7 जून 2026 को रात्रि 8 बजे से 11 बजे तक जनपद के प्रमुख टोल प्लाजा सैफपुर माजरा टोल, गणेशपुर टोल, कोलकी टोल एवं सरसावा टोल प्लाजा पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया- यातायात पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने बैरियर लगाकर वाहनों की गहन जांच की तथा शराब पीकर वाहन चलाने, मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर, फर्जी नंबर प्लेट, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन तथा नो-एंट्री उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की- अभियान के दौरान ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट के माध्यम से ड्रंक एंड ड्राइव के 34 चालान किए गए और 3 लाख 40 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया- वहीं मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर के 35 चालान कर 3 लाख 50 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया- फॉल्टी एवं नियमविरुद्ध नंबर प्लेट वाले 178 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 8 लाख 90 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया- इसके अतिरिक्त नो-एंट्री नियम का उल्लंघन करने वाले 15 वाहनों के चालान कर 3 लाख रुपये का दंड लगाया गया- यातायात प्रभारी अमित तोमर ने केवल प्रवर्तन तक अभियान को सीमित नहीं रखा, बल्कि 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम के माध्यम से परिवार सहित यात्रा कर रहे लोगों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुरक्षा संबंधी सुझाव भी दिए- महिला पुलिसकर्मियों की सक्रिय उपस्थिति ने अभियान को संवेदनशील और जनहितकारी स्वरूप प्रदान किया- ट्रैफिक प्रभारी अमित तोमर लगातार नागरिकों से अपील कर रहे हैं कि शराब पीकर वाहन न चलाएं, यातायात नियमों का पालन करें तथा जनपद में प्रातः 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक लागू नो-एंट्री व्यवस्था का सम्मान करें- उनकी सक्रियता और प्रतिबद्धता के कारण यातायात पुलिस की यह मुहिम केवल चालान अभियान नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा का एक सशक्त मिशन बनती दिखाई दे रही है।

कृषि मंत्री से की आम आधारित प्रसंस्करण संयंत्र की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना विधानसभा क्षेत्र के जुझारू भाजपा नेता हेमंत लोधी ने देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर उन्हें स्याना फल पट्टी क्षेत्र की व्यापक जानकारी दी तथा आम उत्पादकों के हित में आम आधारित प्रसंस्करण संयंत्रों गूदा संयंत्र, अचार निर्माण इकाई जैसे प्रोसेसिंग प्लांटों की स्थापना कराए जाने की मांग रखी। कहा कि ऐसा किए जाने पर क्षेत्र के बागवानों की बहुत ही मदद होगी तथा इलाके के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। हेमंत लोधी ने कृषि मंत्री को बताया कि स्याना फल पट्टी क्षेत्र में बड़ी संख्या में आम के बागान हैं तथा यहां के आम देश के साथ साथ विदेशों में भी निर्यात होते हैं। हेमंत लोधी ने स्याना फल पट्टी क्षेत्र में आम की उत्कृष्ट किस्म के लिए आम उत्पादकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में शासन के सहयोग को जरूरी बताया तथा फिलहाल में आम की मशहूर किस्म चौंसा के वृक्षों में तना छेदक रोग पनपने का जिक्र करते हुए विभागीय स्तर पर आपात राहत कदम उठाए जाने की भी आवश्यकता जताई। हेमंत लोधी ने उपरोक्त मांगों से संबंधित पत्र भी कृषि मंत्री को सौंपा। हेमंत लोधी ने बताया कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्ण संजीदगी के साथ उनकी बात सुनी तथा अधिकारियों को सकारात्मक कार्रवाई किए जाने के लिए आदेशित किया।

केंद्र सरकार के गठन 12 वर्ष पर पूर्ण होने पर मनाया सुशासन दिवस संगोष्ठी हुई संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर विकास भवन सभागार में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जिला प्रशासन के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश सरकार के समेकित जनकल्याण एवं जागरूकता अभियान अंतर्गत सेवा संस्कार सुशासन एवं सम्मान हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की मुख्य अथिति जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया रही।

इस कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए अंतुल तेवतिया द्वारा अपने संबोधन में कहा देश में प्रगति इन 12 साल में बेमिसाल रही।युवाओ और महिलाओं के सशक्तिकरण पर सरकार का फोकस है। समाज के वंचित वर्ग को लाभान्वित करने हेतु जमीन पर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है । धरातल पर इसके प्रत्यक्ष प्रमाण दिखाई दे रहे है। उपायुक्त स्वत रोजगार सूबेदार सिंह ने कहा सोमवार को ग्राम में महिलाओं के समूह से लखपति दीदी का निर्माण हो रहा है ।समूह द्वारा स्थायी आजीविका का कार्य किया जा रहा है। जिला विकास अधिकारी द्वारा शासन की विविध योजनाओं के बारे विस्तार से जनसमुदाय को अवगत करवाया गया ।उपायुक्त वीबी राम जी मनरेगा , समाज कल्याण अधिकारी , जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी जिला पूर्ति अधिकारी, जिला उद्योग केंद्र द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इस अवसर विविध योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंप कर टूल किट आदि वितरण किया गया एन आर एल एम की लखपति दीदी प्रियंका पूजा प्रीति, नीरज देवी मोनिका आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया संचालन डी एमएम मनीष कुमार जैन द्वारा किया गया।

नरसेना में जलभराव से भारी परेशानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। नरसेना गांव में सफाई न होने के कारण गलियों में गंदगी व जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। शिकायतों के बाद भी ब्लाक अधिकारी कोई कदम नही उठा रहे हैं। ग्रामीण नरेन्द्र कृष्ण देवेन्द्र आदि का कहना है कि स्टेट बैंक के एटीएम के पास गत कई महिनों से सफाई नही की गई है जिससे गलियों में गंदगी व कीचड जमा हो गई है। जिससे मच्छरों का साम्राज्य हो गया है। एटीएम से पैसे निकालने वाले लोगों को भी परेशानियों से गुजरना पड रहा है।, स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। लाखों रूपए की लागत से बने नाले के बाद भी समस्या जस की तस है। बरसात में यहां से निकलना और भी मुश्किल हो जाता है। इस संबंध में बीडीओ मोकम सिंह का कहना है कि सफाई कर्मचारी को निर्देश दे दिए गये है शीघ्र ही जलभराव की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा।

जनहित के मुद्दों पर सपा का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष मतलूब अली के नेतृत्व में हजारों की संख्या में पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, गिरती कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं तथा अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बुलन्दशहर के माध्यम से प्रेषित किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार, बिजली संकट एवं प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से परेशान है। लगातार बढ़ती महंगाई से आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है, जबकि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने, रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की गई। इसके अलावा रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल और आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने की मांग भी उठाई गई। सपा कार्यकताओं ने किसानों को पर्याप्त बिजली, खाद, बीज और सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने, फसलों का उचित समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की मांग की।

साथ ही प्रदेश में बढ़ते अपराध, महिला उत्पीड़न, लूट, हत्या एवं भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा कानून व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

ज्ञापन में पीडीए समाज एवं अन्य कमजोर वर्गों के लोगों को फर्जी मुकदमों, उत्पीड़न और कथित फर्जी एनकाउंटर जैसी घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करने तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा और कौशल विकास योजनाओं के विस्तार की मांग रखी गई।

कार्यक्रम में हाजी अख्तर, जितेन्द्र यादव, महेन्द्र वाल्मीकि, होशियार सिंह, मुकेश शर्मा, अनिल चरौरा, चरन सिंह राजपूत, गजराज नागर, बंशी पहाड़िया, भारत सिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा का संचालन जिला महासचिव कृष्णपाल यादव ने किया।

खाद संकट को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत का एआर कोऑपरेटिव कार्यालय पर घेराव

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। खाद की समस्या को लेकर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (भाकियू टिकैत) के कार्यकताओं ने एआर कोऑपरेटिव कार्यालय का घेराव कर महापंचायत आयोजित की। महापंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट चौधरी अरब सिंह ने की।

महापंचायत में किसानों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र की सहकारी समितियों एवं गन्ना समितियों पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो रही है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि सभी सहकारी समितियों एवं गन्ना सोसायटियों पर तीन दिनों के भीतर खाद उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में वक्ताओं ने खाद की कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए दोषियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई एवं अवैध संपत्ति जब्त करने की मांग की। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं कराई गई तो जिला मुख्यालय (कलेक्ट्रेट) पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

महापंचायत के उपरांत किसानों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को सौंपा। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी, क्षेत्र के किसान एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के आरोपी पर मुकदमा पंजीकृत

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार। थाना अहार क्षेत्र के एक गांव निवासी 15 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने अमरोहा निवासी आरोपित पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पिता ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि रविवार को देर शाम अमरोहा के एक गांव निवासी उनकी 15 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर कर फार्म के पास खेत में ले गया और किशोरी से दुष्कर्म किया।

घर जाने पर पीड़िता ने रो रोकर स्वजन को आप बीती बताई। इसके बाद पीड़िता के पिता ने थाने में जाकर तहरीर दी। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।।थाना प्रभारी अहार नीरज शर्मा का कहना है कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। उधर पीड़िता को मैडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी को टीम गठित कर भाग दौड़ शुरू कर दी गई है।

एसआरएमआईएसटी द्वारा विषय पर छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाज़ियाबाद द्वारा ह्लआउटकम-बेस्ड एजुकेशन (ओ बी ई) एवं प्रत्यायनह्व विषय पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम-एफडीपी) का सफलतापूर्वक शुभारम्भ 8 जून 2026 को ईस्वरी ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आउटकम-बेस्ड एजुकेशन, प्रत्यायन प्रक्रियाओं, पाठ्यक्रम मानचित्रण, मूल्यांकन पद्धतियों, शैक्षणिक प्रशासन तथा गुणवत्ता आश्वासन के विभिन्न आयामों से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 9:30 बजे मंगलाचरण के साथ हुई, जिसके पश्चात पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना सम्पन्न हुई। इसके बाद उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत आईक्यूएसी के डीन डॉ. धौम्य भट्ट द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डीन डॉ. आर. पी. महापात्र ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला और बताया कि आउटकम-बेस्ड एजुकेशन विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं संस्थागत उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसी क्रम में एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन ने संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार एवं सतत गुणवत्ता सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे संकाय विकास कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक

विकास में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वेल टेक रंगराजन डॉ. सगुंथला आर एंड डी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई के कुलपति प्रो. रजत गुप्ता ने अपने व्याख्यान में आउटकम-बेस्ड एजुकेशन एवं प्रत्यायन की अवधारणाओं, प्रक्रियाओं तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में उनकी प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की।

इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने उद्घाटन व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बदलते वैश्विक शैक्षणिक परिदृश्य में गुणवत्ता, नवाचार एवं परिणाम-आधारित शिक्षण पद्धति की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रणाली विकसित करना आज के समय की मांग है। उद्घाटन सत्र का समापन डीन (अनुसंधान) डॉ. ए. गीता भवानी द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम 8 जून से 13 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे।

कार्यक्रम के पहले दिन यानी 8 जून को प्रो. रजत गुप्ता ने आउटकम-बेस्ड एजुकेशन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया का विस्तृत परिचय दिया। दूसरे दिन, 9 जून को बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. कन्नमणि बुद्धि द्वारा लर्निंग आउटकम्स एवं पाठ्यक्रम मानचित्रण (करिक्यूलम मैपिंग) पर सत्र लिया जाएगा। तीसरे दिन, 10 जून को वीएनआईटी, नागपुर के प्रो. ए. जी. केस्कर ने आउटकम-बेस्ड एजुकेशन में शिक्षण-अधिगम एवं मूल्यांकन के व्यावहारिक पक्षों को साझा किया जाएगा। चौथे दिन, 11 जून को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के कुलपति प्रो. सिबाराम खारा ने अटेनमेंट एवं डेटा विश्लेषण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जानकारी दी जाएगी।

पांचवें दिन, 12 जून को वेल टेक संस्थान, चेन्नई के प्रोफेसर एवं डीन डॉ. एम. राजीव कुमार ने संकाय की भूमिका एवं शैक्षणिक प्रशासन (गवर्नेन्स) पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा।

अंतिम दिन, 13 जून को पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. हरमेश सिंह ने एसएआर (सार) तैयारी, दस्तावेजीकरण एवं निरीक्षण प्रक्रिया के गुर सिखाए जाएंगे, जिसके साथ ही गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के डॉ. आनंद प्रताप सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन तकनीकों पर एक विशेष सत्र भी संचालित किया जाएगा।

इस पूरे कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता की जाएगी। यह संकाय विकास कार्यक्रम शिक्षकों के लिए आउटकम-बेस्ड एजुकेशन, प्रत्यायन, गुणवत्ता आश्वासन तथा संस्थागत उत्कृष्टता से संबंधित नवीनतम अवधारणाओं और व्यावहारिक पहलुओं को समझने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा। इस सफल आयोजन ने एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार तथा सतत शैक्षणिक विकास के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को एक बार फिर से समाज के सामने मजबूती से स्थापित कर दिया है।

सिवालखास क्षेत्र के ग्राम बाफर में शरबत वितरण शिविर का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। मेरठ के सिवालखास क्षेत्र के ग्राम बाफर में युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक बाफर द्वारा आयोजित सरबत वितरण शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह दहिया ने किया। लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक बाफर व प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह दहिया ने कहा कि भीषण गर्मी के इस मौसम में राहगीरों एवं क्षेत्रवासियों को शीतल सरबत वितरित कर सेवा और मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया। निस्वार्थ भाव से जनसेवा और परोपकार का यह कार्य निश्चित रूप से पुण्य का कार्य है तथा समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है। इस सराहनीय पहल के लिए विवेक बाफर एवं सभी सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे कार्य जनकल्याण की भावना को और अधिक मजबूत करते हैं।

पालिका परिषद की जमीन पर बनी 14 अवैध दुकानों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

नोटिस जारी होने के बाद हटाई गई 14 दुकानें

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। ग्राम बेगमाबाद बुदाना स्थित खसरा संख्या 1014 की राजस्व अभिलेखों में मार्ग के रूप में दर्ज भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने के संबंध में जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद मोदीनगर द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। बताते चलें कि उक्त भूमि पर मौ0आरिफ प्रबंधक जामा मस्जिद बेगमाबाद, बुदाना, मोदीनगर द्वारा 14 दुकानें अवैध कब्जे के संबंध में नगर पालिका परिषद मोदीनगर द्वारा मा० न्यायालय उपजिलाधिकारी (तहसील स्तर) में वाद प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय द्वारा दिनांक 30 नवंबर 2023 को पारित आदेश में अतिक्रमणकर्ता को भूमि से बेदखल करने तथा निर्धारित अर्थदंड रुपए 2,22,90,100/- वसूल किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके विरुद्ध प्रस्तुत पुनर्स्थापना प्रार्थना पत्र 28.04.2025 भी न्यायालय द्वारा निरस्त कर दिया गया तथा पूर्व आदेश को यथावत रखा गया। न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में नगर पालिका परिषद द्वारा संबंधित पक्ष को अतिक्रमण हटाने हेतु पर्याप्त समय एवं नोटिस प्रदान किया गया। दिनांक 06.06.2026 तक दुकाने हटाने नोटिस प्राप्त होने के उपरांत कई दुकानदारों द्वारा स्वयं ही अपने निर्माण को हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी। शेष अवैध निर्माण यथावत पाए जाने पर जिला प्रशासन, नगर पालिका परिषद तथा पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में निर्धारित तिथि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संपन्न कराई गई। कार्रवाई के दौरान प्रशासन द्वारा शेष अवैध दुकानों एवं निमार्णों को ध्वस्त कराया गया। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा तथा पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक मार्ग एवं सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक एवं सरकारी भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा कानून एवं न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करें। एसडीएम मोदीनगर द्वारा अवगत कराया कि उक्त जमीन की सर्किल रेट के अनुसार अनुमानित कीमत रुपए 2,75,00,000/- है। कार्रवाई के दौरान एसडीएम अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार, नगर पालिका मोदीनगर एवं पुलिस विभाग की टीम उपस्थित रही।

परशुराम शक्ति वाहिनी की जिलाध्यक्ष श्रीमती गीता कौशिक को बनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय परशुराम परिषद की एक बैठक में संगठन को मजबूत बनने पर बल देने के साथ-साथ संगठन का विस्तार किया गया। नोयडा सेक्टर 108 में विनोद शर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय परशुराम परिषद के आवास पर परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। पूर्व राज्य मंत्री पंडित सुनील भराला एवं प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सभासद पंडित दीपक वत्स के द्वारा परशुराम शक्ति वाहिनी की जिलाअध्यक्ष श्रीमती गीता कौशिक को बनाया गया। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के नगर अध्यक्ष ललित शर्मा को बनाया गया परशुराम स्वाभिमान सेना के नगर अध्यक्ष संभव शर्मा को बनाया गया मुरादनगर से राष्ट्रीय परशुराम परिषद के नगर अध्यक्ष उत्सव अरोड़ा को बनाया गया। इस अवसर पर महंत आनंदेश्वर महाराज जी, अनुराग शर्मा, अपराजिता सिंह, विनय शर्मा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गॉड आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

बढ़ती उम्र के साथ घुटनों का दर्द सामान्य नहीं, इन चेतावनी संकेतों को न करें नजरअंदाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। बढ़ती उम्र के साथ घुटनों में दर्द को अक्सर सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार लगातार रहने वाला दर्द जोड़ों के घिसाव या ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका समय पर इलाज जरूरी है।

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के डायरेक्टर ऑर्थोपेडिक्स एवं रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट, डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कई सप्ताह तक दर्द बने रहना, सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में कठिनाई, बैठने-खड़े होने पर दर्द, सुबह की लंबे समय तक रहने वाली अकड़न, सूजन, चलने-फिरने की क्षमता में कमी तथा घुटनों से खटखटाहट या घिसने जैसी आवाजें आना जोड़ों की समस्या के संकेत हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दर्द से बचने के लिए चलना, सीढ़ियां चढ़ना और अन्य शारीरिक गतिविधियां कम करना समस्या को बढ़ा सकता है। समय पर जांच और उपचार न होने पर जोड़ों को अधिक नुकसान, मांसपेशियों की कमजोरी और चलने-फिरने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। डॉ. वर्मा के अनुसार, हर घुटने के दर्द का इलाज सर्जरी नहीं होता। शुरूआती चरण में फिजियोथेरेपी, वजन नियंत्रण, जीवनशैली में बदलाव, नियमित व्यायाम और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार दर्द प्रबंधन से राहत मिल सकती है। फिजियोथेरेपी घुटनों के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत करने, लचीलापन बढ़ाने और जोड़ों पर दबाव कम करने में मदद करती है।

उन्होंने बताया कि यदि इन उपायों के बावजूद दर्द बना रहे, नींद प्रभावित हो, छोटी दूरी चलना मुश्किल हो जाए या दवाओं से केवल अस्थायी राहत मिले, तो ऑथोपेडिक विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। समय पर जांच से बीमारी की गंभीरता का सही आकलन कर उपयुक्त उपचार योजना बनाई जा सकती है। डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि गंभीर आर्थराइटिस या जोड़ों के अत्यधिक क्षतिग्रस्त होने पर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी दीर्घकालिक राहत दे सकती है। आधुनिक रोबोटिक-असिस्टेड जॉइंट रिप्लेसमेंट तकनीक अधिक सटीक सर्जिकल योजना, बेहतर एलाइनमेंट, सहज मूवमेंट और तेजी से रिकवरी में मदद करती है।

नव नियुक्त सीएमओ डॉ. सचिन चंद्र वैश्य को पौधा भेंट कर स्वागत किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के पद पर नियुक्त होने पर डॉ. सचिन चंद्र वैश्य को पौधा भेंट कर शुभकामनाएं देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. सचिन चंद्र वैश्य से शिष्टाचार भेंट करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं जैसे जी आर सी, समय से वेतन आहरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विषयों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए जनपद के स्वास्थ्य तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. सचिन चंद्र वैश्य ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जनहित में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। इस मौके पर हिमानी कौशिक जिलाअध्यक्ष, डा० चेतन वर्मा जिला महासचिव आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिवस हिंदू स्वाभिमान सप्ताह के रूप में मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी के जीवन के 54 वर्ष पूर्ण होने पर हर वर्ष की भाँति 5 जून से 11 जून हिंदू स्वाभिमान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। उसी क्रम में जिला गाजियाबाद में विश्व हिंदू महासंघ जिला गाजियाबाद द्वारा हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन उत्सव भवन सेक्टर 9 रेलवे रोड विजयनगर में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रवाणी चैनल के डायरेक्टर अमिताभ अग्निहोत्री, एवं पतंजलि योगपीठ मोदीनगर से स्वामी आरोग्य देव महाराज, मुख्यवक्ता प्रदेश अध्यक्ष शिभखारी प्रजापति, क्षेत्रीय महामंत्री राजेंद्र शर्मा एवं प्रदेश के कई पदाधिकारी एवं सैकड़ो की तादाद में जिला कार्यकतार्रानी के सदस्य एवं संजीव मलिक नगर अध्यक्ष मोदीनगर अभिनव कौशिक अभिनव भट्ट विकास कुमार महेश सिंह जोशी संजय वर्मा अंकित राठी, सुनील गॉड, शिवम सिंधु, विपिन दत्त शर्मा शिवकुमार शर्मा मोनिका रानी रेखा चौधरी किरण सुनील शर्मा नवीन कुमार एवं समस्त मोदीनगर क्षेत्र टीम कार्यक्रम में सम्मिलित हुए कार्यक्रम टीम ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया । कार्यक्रम की मुख्य बातें हमें अपनी जाति-पाति से हटकर हिंदुत्व के लिए कार्य करना है। इस अवसर पर सभी ने महंत योगी आदित्यनाथ जी की लंबी आयु की कामना की ।

हिंदू-मुस्लिम के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता सत्ता से बाहर करेगी: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश की वास्तविक समस्याओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए वर्षों से हिंदू-मुस्लिम की राजनीति की जाती रही है, लेकिन अब जनता इस राजनीति की सच्चाई समझ चुकी है और आने वाले चुनावों में ऐसे लोगों को सत्ता से बाहर करने का काम करेगी।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव ने सर्वधर्म सर्वजाति के हितों के लिए हमेशा काम किया है। देश की जनता को धर्म और जाति के नाम पर बांटने के बजाय बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय जैसे मूल मुद्दों पर राजनीति होनी चाहिए। जनता अब असली मुद्दों पर जवाब मांग रही है और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि 2027 मे उत्तर प्रदेश की जनता विकास और भाईचारा के नाम पर अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट करेगी।

उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि भावनाओं में बहने के बजाय इन महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करें और स्वयं निर्णय लें

- जब सत्ता, प्रशासन और सुरक्षा तंत्र पर बहुसंख्यक समाज का नियंत्रण है, तो घुसपैठ, आतंकवाद और सुरक्षा विफलताओं के लिए ज़िम्मेदार कौन है?
- देश में बार-बार होने वाले परीक्षा पेपर लीक के पीछे कौन लोग और कौन-सी व्यवस्थाएँ जिम्मेदार हैं?
- पुलों और सार्वजनिक निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार तथा लापरवाही के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के लिए कौन जवाबदेह है?
- गौशालाओं में गायों की मौत और उनकी दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार लोग कौन हैं?
- गाय संरक्षण के नाम पर सरकारी अनुदान लेने वाले कौन हैं और उसके बावजूद गायों की दुर्दशा क्यों बनी हुई है?
- सड़कों पर बेसहारा घूम रही गायों को छोड़ने वाले कौन हैं और उनकी जिम्मेदारी कौन लेगा?
- बूचड़खानों, मांस व्यापार और बीफ निर्यात से लाभ कमाने वाले लोग कौन हैं?
- बैंकों का हजारों करोड़ रुपये लेकर विदेश भागने वाले बड़े आर्थिक अपराधियों को संरक्षण किस व्यवस्था ने दिया?
- धार्मिक आयोजनों में होने वाली भगदड़ों और जनहानि के लिए जिम्मेदारी किसकी तय की जानी चाहिए—श्रद्धालुओं की या प्रशासन एवं आयोजकों की?
- नोटबंदी, कोविड महामारी और लॉकडाउन जैसी नीतियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम जनता पर पड़ा। इसके लिए जवाबदेही किसकी है?

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा आकांक्षा त्यागी बनीं भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा आकांक्षा त्यागी ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के बल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट के प्रतिष्ठित पद पर चयनित होकर कॉलेज और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। आकांक्षा त्यागी ने इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग) में बी.टेक की पढ़ाई की है। उनका चयन भारतीय नौसेना के नेवल वेपन्स इंस्पेक्टोरेट कैडर में हुआ है, जो नौसेना की एक विशिष्ट तकनीकी शाखा मानी जाती है। यह शाखा नौसेना को उपलब्ध कराए जाने वाले हथियारों, गोला-बारूद और अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं विश्वसनीयता का निरीक्षण करने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाती है। इस प्रतिष्ठित पद पर चयन आकांक्षा की तकनीकी दक्षता, नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन का प्रमाण है। अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए आकांक्षा त्यागी ने कहा कि इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा प्रदान की गई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और संस्थान का प्रेरणादायी वातावरण उनकी सफलता की मजबूत नींव साबित हुआ। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और कॉलेज परिवार को दिया। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, आकांक्षा अग्रवाल तथा निदेशक डॉ. डी.के. शर्मा ने आकांक्षा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गाजियाबाद पुलिस का महाअभियान: 3150 बदमाशों का सत्यापन, 1086 फरारों की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश

खोड़ा और लोनी में चला विशेष सत्यापन अभियान, कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए कमिश्नरेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कुल 473 स्थानों पर चला अभियान

दोनों थाना क्षेत्रों के संयुक्त आंकड़ों के अनुसार कुल 473 स्थानों पर चेकिंग एवं सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान 3150 अपराधियों की जांच की गई, जिनमें 1935 अपराधी अपने घरों पर मौजूद पाए गए। पुलिस ने 539 अपराधियों को अपराध न करने तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की शपथ दिलाई। वहीं 1086 अपराधियों के अपने पते पर नहीं मिलने के बाद उनकी तलाश तेज कर दी गई है। इसके अलावा 129 अपराधी जेल में निरुद्ध पाए गए।

खोड़ा क्षेत्र में 597 अपराधी मिले फरार

थाना खोड़ा क्षेत्र में पुलिस ने कुल 314 स्थानों पर पहुंचकर जांच और सत्यापन की कार्रवाई की। इस दौरान 1091 अपराधियों का सत्यापन किया गया। जांच में 467 अपराधी अपने घरों पर मौजूद पाए गए, जबकि 597 अपराधी अपने पते से फरार मिले। इसके अलावा 27 अपराधी जेल में निरुद्ध पाए गए। पुलिस ने मौजूद अपराधियों को भविष्य में अपराध से दूर रहने की हिदायत देते हुए कानून का पालन करने की शपथ भी दिलाई।

फरार अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सत्यापन के दौरान फरार मिले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। साथ ही उनके परिजनों, परिचितों और अन्य संपर्कों के माध्यम से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रख रही है ताकि उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

लोनी क्षेत्र में 2059 अपराधियों की जांच

थाना लोनी क्षेत्र में भी पुलिस ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। यहां 159 स्थानों पर सत्यापन और तलाशी की कार्रवाई की गई। इस दौरान 2059 अपराधियों का सत्यापन किया गया, जिनमें 1468 अपराधी अपने घरों पर मौजूद मिले। वहीं 489 अपराधी फरार पाए गए और 102 अपराधी जेल में बंद मिले। पुलिस ने इन सभी मामलों का रिकॉर्ड तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का उद्देश्य न केवल अपराधियों की पहचान और निगरानी करना है, बल्कि उन्हें अपराध की दुनिया से बाहर निकालकर कानून का पालन करने के लिए प्रेरित करना भी है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी जनपद के अन्य थाना क्षेत्रों में इसी प्रकार के विशेष सत्यापन और तलाशी अभियान चलाए जाएंगे।
पुलिस का मानना है कि ऐसे अभियानों से अपराधियों में कानून का भय पैदा होगा, फरार अपराधियों की पहचान आसान होगी और आम नागरिकों के बीच सुरक्षा एवं विश्वास की भावना और अधिक मजबूत होगी। कमिश्नरेट गाजियाबाद अपराधमुक्त और सुरक्षित समाज की दिशा में लगातार सक्रियता से कार्य कर रहा है।

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने थाना खोड़ा और लोनी क्षेत्र में व्यापक तलाशी एवं सत्यापन अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संचालित इस विशेष अभियान में कुल 3150 अपराधियों का सत्यापन किया गया, जबकि 1086 अपराधी अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले और फरार पाए गए। इन फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अलग से विशेष अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए यह अभियान 1 जून से 6 जून 2026 तक लगातार चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने घर-घर जाकर अपराधियों का भौतिक सत्यापन किया और उनके वर्तमान निवास, गतिविधियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी जुटाई। विशेष अभियान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध की अध्यक्षता में थाना लोनी क्षेत्र में अभियान चलाया गया, जबकि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात के नेतृत्व में थाना खोड़ा क्षेत्र में सत्यापन एवं तलाशी अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस, बीट अधिकारियों और अन्य पुलिसकर्मियों को भी शामिल किया गया।

आरक्षी भर्ती परीक्षा पर डीएम की पैनी नजर, नकलविहीन और पारदर्शी परीक्षा के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 के सफल एवं निष्पक्ष आयोजन को लेकर गाजियाबाद प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, बायोमैट्रिक सत्यापन तथा परीक्षा संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सेठ मुकुन्द लाल इंटर कॉलेज एवं नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का पूर्ण जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम सदर अरुण दीक्षित सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने परीक्षा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जनता की शिकायतों पर चला कमिश्नर का डंडा, थानेदार लाइन हाजिर, चौकी इंचार्ज सस्पेंड

वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों के साथ आयोजित बैठक में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के बाद थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक को लाइन हाजिर कर दिया गया, जबकि सेक्टर-110 चौकी इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

बैठक में विभिन्न सेक्टरों के निवासियों ने पुलिस की कार्यशैली, कानून-व्यवस्था और शिकायतों के समाधान में हो रही देरी से जुड़े मुद्दे उठाए। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की। इसके अलावा थाना फेस-2, थाना सेक्टर-58 और थाना सेक्टर-24 के प्रभारियों को कड़ी चेतावनी जारी की गई।

उन्हें निर्देश दिए गए कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

किसी भी स्तर पर लापरवाही या जनशिकायतों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और जनसुनवाई को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। यह कार्रवाई नोएडा पुलिस द्वारा जवाबदेही और जनहित को सर्वोपरि रखने की नीति का स्पष्ट संदेश मानी जा रही है।

प्रदूषण के खिलाफ पूर्व सैनिकों का संकल्प, वृक्षारोपण अभियान चलाने का फैसला

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय सैनिक संस्था की रजापुर ब्लॉक कमेटी एवं गोविन्द पुरम मंडल इकाई की संयुक्त बैठक आकाश नगर स्थित मंडल कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष लेफ्टिनेंट वेद प्रकाश शर्मा ने की। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण एवं बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान चलाने और लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। बैठक में सूबेदार ओमपाल सिंह, जिले सिंह तेवतिया, रविंदर पूनिया, राजबीर नागर, सुशील कुमार सक्सेना, राम कुमार त्यागी, सुरेंद्र सिंह, मामचंद, के.डी. शर्मा, प्यारे लाल, शिव कुमार शर्मा और मंजीत सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दोहराया। बैठक के अंत में लेफ्टिनेंट वेद प्रकाश शर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

मेधा का सम्मान, पर्यावरण का संकल्प: पुलिस परिवार के 11 होनहारों को मिला सम्मान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले पुलिस परिवार के 11 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त लाइन/मुख्यालय की पत्नी श्रीमती दीक्षा तथा पुलिस उपायुक्त ग्रामीण की पत्नी श्रीमती दीपाली ने मुख्यालय से प्राप्त प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर मेधावी छात्रों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों में सामाजिक एवं पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के उद्देश्य से उन्हें 'वामा इको चैंप्स' की आधिकारिक शपथ दिलाई गई। साथ ही प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया।

41वीं वाहिनी पीएसी में 30वीं अंतर-वाहिनी वॉलीबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता का भव्य आगाज

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। 41वीं वाहिनी पीएसी परिसर में सोमवार को पीएसी पश्चिमी जोन की 30वीं अंतर-वाहिनी वॉलीबॉल क्लस्टर (वॉलीबॉल एवं सेपक टकरा) प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं 41वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक डॉ. दिनेश यादव ने आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर किया। इस प्रतियोगिता में पश्चिमी जोन की विभिन्न वाहिनियों की कुल 14 टीमें भाग ले रही हैं।

उद्घाटन समारोह के दौरान 41वीं वाहिनी के टीम कप्तान ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और निष्पक्षता के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सेनानायक डॉ. दिनेश यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल शारीरिक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ टीम भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय को भी मजबूत बनाते हैं।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उप सेनानायक अरुण कुमार सिंह, सहायक सेनानायक जगवीर सिंह चौहान, सहायक सेनानायक प्रीती खरवार, उप सेनानायक वीर बहादुर सिंह, सहायक सेनानायक अन्विता उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

आरक्षी भर्ती परीक्षा पर पुलिस की कड़ी नजर, पुलिस आयुक्त ने केंद्र पहुंचकर परखी सुरक्षा व्यवस्था

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त गाजियाबाद ने सिहानीगेट स्थित सेठ मुकुन्दलाल कॉलेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने परीक्षा केंद्र पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, अभ्यर्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और अधिकारियों को किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए हैं।